

वर्ष-23 अंक- 24
पृष्ठ 8
शुक्रवार
09 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लिवर डिटॉक्स के लिए एक...

विचार- पितरों को तर्पण देने वाले हाथ क्या...

खेल- बीसीसीआई ने स्मृति मंधाना को...

दलितों, वंचितों की प्रवर आवाज थे रामविलास पासवान-योगी

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की छठी पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान जुझारू तेवर वाले जननेता थे। उन्होंने अपने इस तेवर से सामाजिक चेतना को नया आयाम प्रदान किया। 50 वर्ष पहले बिहार में ऐसे युवा नेता का अम्युदय हुआ था, जो उस समय दलितों, वंचितों की प्रखर आवाज बना। बिहार की जनता ने उस स्वर को बड़ा सम्मान दिया और रामविलास को सबसे अधिक मर्तों से जितकर संसद भेजा। उन्होंने भारतीय राजनीति के माध्यम से अपना जीवन सामाजिक चेतना को जागरूक करने और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के सपने का भारत बनाने के लिए समर्पित किया। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने



गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की छठी पुण्यतिथि पर सुशांत गोल्फ सिटी में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर

सभी ने भजनों का श्रवण करते हुए आध्यात्मिक गंगा में डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बतौर सांसद मुझे भी पासवान के साथ लंबे समय तक संसद में कार्य करने का अनुभव प्राप्त हुआ। उनके मन में भारत की परंपरा के प्रति सदैव श्रद्धा व

ज्ञापित करते हुए कहा कि वहां उनकी पुण्यतिथि को राष्ट्रीय समारोह के रूप में आयोजित किया जा रहा है। सीएम ने रामविलास पासवान के दुर्घटन संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने जो बोला, उसके अनुरूप जीवन जिया। उत्तर प्रदेश में इस आयोजन के लिए सीएम ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का आभार जताया और विश्वास दिलाया कि बिहार में जो सम्मान रामविलास पासवान को मिला है, सम्मान उत्तर प्रदेश में दिलाएंगे। रामविलास पासवान की अनुपस्थिति खलती है, लेकिन इस बात की संतुष्टि है कि चिराग पासवान उनके मिशन को बढ़ाने के लिए अनवरत कार्य कर रहे हैं। पीएम मोदी के सान्निध्य में केंद्रीय मंत्री के रूप में चिराग पासवान अपनी आवाज को हर मंच के माध्यम से बढ़ा रहे हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' पहल को टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक अहम कोशिश बताया। उन्होंने सरकार के इस लक्ष्य पर जोर दिया कि डिजिटल अंतर को खत्म किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आधुनिक टेक्नोलॉजी सिर्फ साधन-संपन्न लोगों तक ही सीमित न रहे। 8 अक्टूबर को नई दिल्ली के

यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के 10वें संस्करण को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि इस बदलाव में मोबाइल फोन की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया पहल के जरिए हमने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया, जिसमें मोबाइल फोन इस बदलाव के केंद्र में रहा। यह टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक बड़ी कोशिश रही है। उन्होंने

माना कि भारत को डिजिटल अंतर (डिजिटल डिवाइड) की चुनौती का सामना करना पड़ा है, जहाँ आधुनिक तकनीक तक पहुँच मुख्य रूप से उन्हीं लोगों के लिए संभव थी जो इसका खर्च उठा सकते थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में, मोबाइल फोन न केवल आधुनिक संचार के साधन के रूप में, बल्कि सुशासन के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में भी उभरा है। यह हमारे 'डिजिटल इंडिया' विजन के केंद्र में रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि सरकार ने टेलीकॉम सेक्टर में सुधार किए और तकनीक तक पहुँच को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि हमने इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किया कि मोबाइल फोन और अन्य टेलीकॉम हार्डवेयर का निर्माण भारत में ही हो।

पीएम नरेन्द्र मोदी से मिली अकी आबे, भारत-जापान साझेदारी में पूर्व पीएम के योगदान को सराहा

नयी दिल्ली, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मोदी ने कहा कि दिवंगत नेता शिंजो आबे ने भारत-जापान संबंधों को नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अकी आबे ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बुधवार को प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में 'शिंजो आबे मेमोरियल कॉरिडोर' का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया था। शिंजो आबे, मोदी के करीबी मित्र थे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी श्रीमती अकी आबे से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को मैं बहुत महत्व देता हूँ। आबे एक प्रिय मित्र और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत-जापान संबंधों को नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।" प्रधानमंत्री ने कहा कि वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आबे मेमोरियल कॉरिडोर का उद्घाटन भारत-जापान मैत्री में उनके स्थायी योगदान को उचित श्रद्धांजलि है। इक्कीस सितंबर 1954 को जन्मे शिंजो आबे की आठ जुलाई 2022 को हत्या कर दी गई थी।

राजस्थान में सूखे से गोवंश संकट, अशोक गहलोत ने राहत शिविर खोलने की मांग की

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के पश्चिमी भागों में सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि वहां गोवंश भूख व प्यास से मर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से तुरंत कदम उठाने की मांग की है। गहलोत ने एक बयान में दावा किया, "पश्चिमी राजस्थान में गोवंश भूख और प्यास से मर रहे हैं और राज्य सरकार केवल घोषणाएं कर निश्चित बैठी है।" उन्होंने कहा, "अखबार सूखे और अकाल की खबरों से भरे पड़े हैं। 30 सितंबर को मुख्यमंत्री ने बाड़मेर में चारा डिपो खोलने की घोषणा की थी। आठ दिन बाद भी न कोई चारा डिपो खुला, न पशु शिविर।" कांग्रेस नेता ने कहा, "गडरारोड में स्थानीय प्रशासन कह रहा है कि 23 पटवार मंडलों में चारा डिपो के प्रस्ताव प्रस्ताव भेजे हैं।

वोट चोरी के विरोध में राजघाट पर इंडिया ब्लॉक का धरना

राहुल गांधी बोले- साजिश की मिलेगी सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने 8 अक्टूबर को घोषणा की कि इंडिया गठबंधन के सांसद, वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेसिव रिविज़न' (मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन) में कथित गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली में गांधी स्मारक पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करेंगे।

विपक्षी सांसदों के विरोध-प्रदर्शन का यह लगातार तीसरा दिन है, इससे पहले 6 अक्टूबर को निर्वाचन सदन तक मार्च और 7 अक्टूबर को जंतर-मंतर के पास प्रदर्शन किया गया था। सांसद बस में सवार होकर राजघाट की ओर रवाना हुए। खड्गे ने कहा कि हम फ़क़्त गठबंधन के सदस्य शांतिपूर्ण धरने के लिए गांधी मेमोरियल जा रहे हैं। हम वहां बैठकर प्रार्थना करेंगे कि उश्र्व सरकार, खासकर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझ आए कि उनके काम देश के हित में नहीं हैं। चाहे वोट चोरी का मुद्दा हो, बढ़ती महंगाई हो, युवाओं की समस्याएं हों या उनके पैदा किए गए कोई और संकट हों, सब कुछ जनहित के खिलाफ है।

उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए हम प्रार्थना करने गांधी



मेमोरियल जा रहे हैं; हम यह बताना चाहते हैं कि वे उस आजादी को छीन रहे हैं जो हमें मिली थी वह आजादी जो पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और वल्लभभाई पटेल जैसे महान नेताओं ने हमें दिलाई थीकूऔर वे इसे खत्म करने की हर कोशिश कर रहे हैं। वे हमसे वोट देने का अधिकार छीन रहे हैं। हम वहां यह प्रार्थना करने जा रहे हैं कि उन्हें यह समझ आए कि वे हमसे वे अधिकार और आजादी न छीनें, जिनमें वोट देने का अधिकार भी शामिल है, जो इन महान नेताओं ने हमें दिलाए थे। हम वहां बैठकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर एक आपराधिक साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें सज़ा दिलाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं। हमें पिछले दो दिनों से विरोध प्रदर्शन करने नहीं दिया जा रहा है। पहले दिन, उन्होंने हमें चुनाव आयोग के सामने रोका; अगले दिन हमें जंतर-मंतर के पास रोका गया। हमारे लोगों के साथ मारपीट की गई। असलियत यह है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और मोहन भागवत ने एक आपराधिक साजिश के जरिए भारत पर कब्ज़ा कर लिया है, संविधान को बर्बाद कर दिया है और वोट चोरी की है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार की सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविज़न में कथित गड़बड़ियों को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जेड+ कैटेगरी की सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने अतिरिक्त रिजर्व जवानों की तैनाती बढ़ा दी है।

अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह अतिरिक्त तैनाती 7 अक्टूबर को की गई। इसके तहत नई मोती बाग कॉलोनी में कुमार के घर, चुनाव आयोग के दफ्तर और उनकी पर्सनल सिक्योरिटी टीम में तैनात जवानों की संख्या बढ़ाई गई। कुमार को अभी जेड+ सुरक्षा मिली हुई है।

यह सुरक्षा का देश का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है (सबसे ऊंचा स्तर SPG यानी स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप का है, जो प्रधानमंत्री और उनके करीबी परिवार के सदस्यों के लिए होता है)।

अधिकारियों ने साफ़ किया कि इस तैनाती का मतलब उनकी सुरक्षा कैटेगरी को अपग्रेड करना नहीं है। बल्कि, मौजूदा सुरक्षा हालात और खतरे के आकलन को देखते हुए एहतियात के तौर पर रिजर्व फोर्स से अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है।

राहुल गांधी को पहले अपना इस्तीफा देना चाहिए, घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं नेता प्रतिपक्ष: नितिन नवीन

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पहले अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। श्री नवीन अपने दो दिवसीय काशी दौरे के दूसरे दिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने पहुंचे थे। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, 'पहेम्मत है तो राहुल गांधी को पहले अपना इस्तीफा देना चाहिए। जनता सब देख रही है। घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम नेता प्रतिपक्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता 24 घंटे सातों दिन काम करता

है। उसके लिए हर दिन काम है और हर दिन चुनाव है। भाजपा के लोग केवल चुनावी मौसम में सक्रिय होने वाले लोग नहीं हैं, बल्कि जनता के साथ संवाद और संगठन का काम पूरे वर्ष चलता रहता है। राहुल गांधी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि अराजकतावादी मानसिकता के लोग केवल समाज में विष घोलने का काम करते हैं। केरल और तमिलनाडु में भी इसी निर्वाचन आयोग ने चुनाव कराए हैं। उन्होंने कहा कि जहां लोग चुनाव में पीछे थे, वहां भी सत्ता में पहुंचे हैं। ऐसे में निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने से पहले राहुल गांधी को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। श्री नवीन ने कहा कि अलग-अलग जगहों से आकर लोग भारत के नागरिकों का हक मार रहे हैं। भारत के संसाधनों और अन्य सुविधाओं पर भारत के लोगों का अधिकार है, घुसपैठियों का नहीं। उन्होंने कहा कि विदेशी मानसिकता के लोगों को यहां बसाने के प्रयास के खिलाफ भाजपा हमेशा खड़ी रहेगी। काशी आगमन को अपनी परंपरा बताते हुए उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार श्री काशी विश्वनाथ की नगरी में आने का अवसर मिला है।



दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website
www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

खुल्दाबाद में नगर निगम की छत गिरने से एक फरियादी की मौत, बाल–बाल बचे कर्मचारी

प्रयागराज। खुल्दाबाद लकड़ मंडी में प्रयागराज नगर निगम की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा बृहस्पतिवार को सुबह हुई। निर्माण कार्य के दौरान बीम टूटन से



भवन की छत भरभराकर गिर गई। खुल्दाबाद लकड़ मंडी में प्रयागराज नगर निगम की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा बृहस्पतिवार को सुबह हुई। निर्माण कार्य के दौरान बीम टूटन से भवन की छत भरभराकर गिर गई। उसमें दबकर करेली के रहने वाले खुशींद (55) की मौत हो गई। वह खसरा बनवाने के लिए नगर निगम के जोन कार्यालय मे आया था। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। हादसे के समय कार्यालय में एक बाबू प्रवीण कुमार व एक अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे जो बाल–बाल बच गए। गंभीर रूप से घायल खुशींद को पास के कोंट्विन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। खुशींद के परिजन भी रोते बिलखते पहुंच गए। घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश देखा गया।

बिना नोटिस दिए बदला गया आदेश कानूनन अमान्य, नए सिरे से शुरू हो सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना दूसरे पक्ष को नोटिस दिए या उनका पक्ष जाने उप–जिलाधिकारी (एसडीएम) की ओर से पुराना आदेश बदलना पूरी तरह से कानूनन अमान्य है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना दूसरे पक्ष को नोटिस दिए या उनका पक्ष जाने उप–जिलाधिकाी (एसडीएम) की ओर से पुराना आदेश बदलना पूरी तरह से कानूनन अमान्य है। कोर्ट



ने स्पष्ट किया कि जब तक प्रभावित पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर न मिले, तब तक पूर्व में दिए गए किसी भी निर्णय को रिव्यू के माध्यम से खारिज नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की एकल पीठ ने उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम की धारा 229–बी के तहत दर्ज एक पुराने भूमि विवाद में प्रयागराज निवासी खिन्नी लाल की ओर से दायर याचिका पर दिया है। अदालत ने एसडीएम की ओर से 11 नवंबर 1991 को जारी मुकदमा खारिज करने का आदेश और 30 अगस्त 1992 को समीक्षा याचिका स्वीकार कर वादियों के पक्ष में सुनाया गया निर्णय को निरस्त कर दिया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि प्रक्रियात्मक त्रुटियों के कारण इस 35 साल पुराने विवाद को पुनः उसके प्रारंभिक रूप में बहाल किया जाना आवश्यक है। कोर्ट ने संबंधित उप–जिलाधिकारी को आदेश दिया है कि वे सभी संबंधित पक्षों को विधिवत नोटिस भेजकर तामील कराएं और मामले की नए सिरे से साप्ताहिक आधार पर सुनवाई करें। कोर्ट ने एसडीएम को एक वर्ष की समयावधि के भीतर मुकदमे का अंतिम निस्तारण करने का निर्देश दिया है तब तक संपत्ति और अभिलेखों पर यथास्थिति बनी रहेगी।

वायु सेना दिवस पर विशेष: जब जमीनी रास्ते हुए बंद, तब हवा से बनकर आई उम्मीद

प्रयागराज। जब भी कोई बड़ा संकट आता है तब प्रयागराज की माटी से उठने वाली गड़गड़ाहट सिर्फ एक शोर नहीं, बल्कि करोड़ों धड़कनों के लिए उम्मीद की सबसे मजबूत आवाज बन जाती है। जब भी कोई बड़ा संकट आता है तब प्रयागराज की माटी से उठने वाली गड़गड़ाहट सिर्फ एक शोर नहीं, बल्कि करोड़ों धड़कनों के लिए उम्मीद की सबसे मजबूत आवाज बन जाती है। बात चाहे सरहदों की हिफाजत की हो या फिर संकट में फंसे बेसहारा इंसानों को नई जिंदगी देने की। संगमनगरी स्थित भारतीय वायु सेना के मध्य वायु कमान का मानवीय चेहरा हमेशा से देश का मान बढ़ाता रहा है। बृहस्पतिवार आठ अक्तूबर को भारतीय वायु सेना अपना स्थापना दिवस मनाएगी। ‘दमनीय: आत्मशत्रवः’ यानी शत्रु का दमन करो। इस आदर्श वाक्य के साथ प्रयागराज स्थित वायुसेना का मध्य वायु कमान लगातार देश के दुश्मनों पर प्रहार कर रहा है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता एवं विंग कमांडर देवार्थो धर के अनुसार, पाकिस्तान से हुए तीन सीधे युद्ध में प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान (सीएसी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भुज भूकंप राहत कार्य (जनवरी 2001)रू गुजरात में आए भीषण भूकंप के दौरान एएन–32, आईएल–76 और मी–17 विमानों के माध्यम से राहत टीमों, जरूरी उपकरणों और राहत सामग्री को प्रभावित क्षेत्रों तक तुरंत पहुंचाया गया।

हिंद महासागर सुनामी अभियान (दिसंबर 2004)रू अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में संकट के समय संख्या 78 स्ववाइ्रन ने महज 10 दिनों में लगभग 250 घंटे की उड़ान भरकर 600 टन से अधिक सामग्री और करीब 3,500 यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। उत्तराखंड में ऑपरेशन राहत (जून 2013)रू पर्वतीय क्षेत्रों में चलाए गए सबसे चुनौतीपूर्ण अभियानों में से एक इस मिशन में संख्या 158 हेलीकॉप्टर यूनिट के मी–17वी5 हेलिकॉप्टरों ने 3,318 लोगों की जान बचाई और लगभग 78.35 टन राहत सामग्री पहुंचाई। जम्मू–कश्मीर ऑपरेशन मेघ राहत (सितंबर 2014)रू भीषण बाढ़ में फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकालने और उन तक खाद्य व चिकित्सा सामग्री पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप राहत अभियान (अप्रैल–मई 2015)रू पड़ोसी देश नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान भारी परिवहन विमानों और हेलिकॉप्टरों के जरिए राहत सामग्री व चिकित्सा दल पहुंचाए।

यूपी और बिहार बाढ़ राहत (अगस्त 2017)रू सी–17 और एएन–32 विमानों से एनडीआरएफ व सेना की टुकड़ियों को तैनात किया गया, वहीं गोरखपुर से संचालित मी–17 हेलीकॉप्टर ने महाराजगंज से 45 नागरिकों को सुरक्षित एयरलिफ्ट किया।

चिंताजनक: नाइट लाइफ का मतलब जिंदगी खोना नहीं, शांतनु दुबे की हत्या ने किशोरों की रात में सुरक्षा पर सवाल उठाए

प्रयागराज। झूसी में शांतनु दुबे की हत्या ने किशोरों की रात में सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। अभिभावकों को बच्चों को आजादी के साथ सुरक्षित रहने के नियम समझाने चाहिए और उन पर भरोसा करना चाहिए।

झूसी में शांतनु दुबे रात में घर से निकला था लेकिन फिर लौटकर नहीं आया। अगले दिन उसकी हत्या की खबर ने परिवार को तोड़कर रख दिया। इस घटना ने रात में दोस्तों के साथ घूमने, किसी काम से निकलने या नाइट लाइफ एक्सप्लोर करने वाले किशोरों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। नाइट लाइफ का मतलब जिंदगी को खतरे में डालना या जिंदगी खो देना नहीं है।

बदलती जीवनशैली में किशोरों को आजादी देना जरूरी है लेकिन इसके साथ उन्हें रात में सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने, अनजान लोगों और परिस्थितियों से सावधान रहने और खतरे को पहचानने की समझ देना भी उतना ही जरूरी है। शहर में कंपनी बाग, स्टेशन रोड, कटरा, सिविल लाइंस, तेलियरगंज, चौक, अलोपीबाग, दारागंज, धूमनगंज समेत कई प्रमुख इलाकों में देर रात तक खानपान की दुकानें और क्लब–बार की गतिविधियां चलती रहती हैं।

इन स्थानों पर आने–जाने

वालों की संख्या भी रहती है लेकिन देर रात किशोरों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारी किसकी है यह सवाल उठता है। पुलिस गश्त, सीसीटीवी और

बच्चों को डराएं नहीं, भरोसा कायम करें
नैदानिक मनोवैज्ञानिक पंकज कौटार्य कहते हैं कि किशोरावस्था में बच्चे दिन की अपेक्षा रात में



संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी के साथ अभिभावकों की सजगता भी जरूरी है। दोस्तों के साथ घूमने या मिलने के लिए किशोर भी देर रात घर से निकलते हैं। कई बार दोस्त के बुलावे, अचानक बने कार्यक्रम या ऑनलाइन संपर्क के जरिये बाहर जाने की स्थिति बनती है। ऐसे में परिवार को यह जानकारी होना जरूरी है कि उनका बेटा किसके साथ, कहां और कितनी देर के लिए बाहर गए हैं। अभिभावकों को बच्चों को केवल रात में बाहर जाने से रोकने के बजाय उन्हें सुरक्षा के नियम समझाने चाहिए।

ज्यादा स्वतंत्रता महसूस करने लगते हैं। दोस्तों के साथ घूमने और नाइट लाइफ को एक्सप्लोर करने की इच्छा भी बढ़ती है। इस उम्र में दोस्तों का प्रभाव भी अधिक होता है। ऐसे में अभिभावक यदि हर बात पर डांटेंगे या शक करेंगे तो बच्चा जरूरी जानकारी छिपा सकता है। इसलिए बच्चों से दोस्त की तरह बातचीत करना ज्यादा प्रभावी है। उन्हें यह भरोसा दिया जाना चाहिए कि गलती होने पर भी वे सबसे पहले परिवार को बता सकते हैं।

नाइट लाइफ हो लेकिन सेफ लाइफ के साथ...

कौटार्य बताते हैं कि रात में

दोस्तों के साथ घूमना या शहर की गतिविधियों का हिस्सा बनना अपने आप में गलत नहीं है। सवाल सुरक्षा व्यवस्था और व्यक्तिगत सतर्कता का है।

किशोरों को आजादी के साथ सुरक्षा का पाठ पढ़ाना और पुलिस को प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रभावी निगरानी रखना जरूरी है। नाइट लाइफ का मतलब जिंदगी खोना नहीं है। देर रात घर से निकलने वाले हर किशोर के लिए परिवार का भरोसा, पुलिस की मौजूदगी और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान तीनों जरूरी हैं। साथ ही जरूरत पड़ने पर डायल–112 की मदद ली जा सकती है।

नाइट लाइफ में स्टंटबाजी का भी बढ़ा चलन
दोस्तों के साथ देर रात घूमने के दौरान किशोर और युवा सड़क पर स्टंटबाजी भी

एसएससी सीएचएसएल 2025 का अंतिम परिणाम जारी, 3515 अभ्यर्थियों का चयन

रूप से कमजोर वर्ग के 337, अनुसूचित जाति के 487, अनुसूचित जनजाति के 251, अन्य पिछड़ा वर्ग के 766 और अनारक्षित वर्ग के 1674 अभ्यर्थी शामिल हैं।

आयोग के अनुसार पद आवंटन अभ्यर्थियों की योग्यता, पद वरीयता और सत्यापन प्रक्रिया के दौरान चुने गए स्थिर रहने का विकल्प चुना, जबकि 927 ने पद परिवर्तन का विकल्प लिया। अनुपस्थित अभ्यर्थियों के कारण रिक्त हुए पदों पर 328 अभ्यर्थियों को नया आवंटन किया गया। इसके अलावा सत्यापन प्रक्रिया में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के कारण खाली हुए पदों पर 328 अभ्यर्थियों को नया आवंटन किया गया।

अनुपस्थित अभ्यर्थियों का परिणाम में विचार नहीं

आयोग ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया में शारीरिक रूप से शामिल नहीं हुए, उन्हें अनुपस्थित माना

सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में ‘भारतीय ज्ञान परंपरा’ पर विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज | इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के शिक्षा विभाग की समन्वयक प्रो० संगीता के नेतृत्व में ष्दकपंद झद्वूसमकहम’लैलेजमेउ पद ब्वदजमउचवतंतल भ्पहीमत म्कनबंजपवदरु ब्वददमबजपदह ठीतंजपलं’पेकवउ पूजी 21ज–ब्मदजनतल स्तंतदपदह६ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की



विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरोज यादव रहीं। उन्होंने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी वक्तव्य में कहा कि 21वीं सदी की आधुनिक शिक्षा प्रणाली की जड़ें हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक मूल्यों और आधुनिक सामंजस्य पर बल देते हुए शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर शोध और नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. यादव ने अपने सरल स्वभाव और अनूठे वक्तव्य से संपूर्ण सभागार को ज्ञान से आप्लावित कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे,प्रो० नीता सिन्हा(उप प्राचार्य), डॉव दिलीप सिंह, डॉव जितेंद्र कुमार,शर्मीला श्रीवास्तव, अन्य विभाग से प्रोव सरोज सिंह,प्रोव आभा त्रिपाठी, प्रोव अर्चना त्रिपाठी, डॉ नीति अग्रवाल, डॉ अखिलेश, डॉ अमित सिंह, डॉ मुनींद्र शुक्ला आदि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं प्राध्यापकों का औपचारिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन शोधार्थी आशीष कुमार द्वारा किया गया।मुरारी यादव, मोव मुकीम ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना सहयोग दिया। समारोह का सफल संयोजन शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रोफेसर उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉवप्रिया सोनी खरे और राष्ट्र गान के साथ सत्र का समापन हुआ।

शिवली में पशु आरोग्य शिविर, 360 पशुओं को मिला उपचार

मथुरा | ग्राम पंचायत शिवली,कुन्हा विकासखंड राया में गुरुवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर /मेले का आयोजन किया गया। अपर निदेशक ग्रेड–2 पशुपालन विभाग आगरा मंडल डॉ. डीपी सिंह की उपस्थिति में आयोजित शिविर में पशुपालकों



को पशुओं की नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान और पशुधन बीमा योजना की जानकारी दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नंदिनी कृ षक समृद्धि, मिनी नंदिनी, स्वदेशी गो–संवर्धन योजना के साथ भेड़, बकरी, सूकर एवं मुर्गी पालन की योजनाओं की जानकारी दी। पशुपालकों को दवाएं और मिनरल मिक्चर निरुशुक वितरित किए गए। शिविर में 360 पशुओं का पंजीकरण हुआ। इनमें 151 बड़े–छोटे पशुओं की चिकित्सा, 40 को कृमिनाशक दवा, 54 पशुओं की बांझपन चिकित्सा तथा दो कृमिनाशक का बधियाकरण किया गया। अपर निदेशक ने एलएसडी टीकाकरण का सत्यापन भी किया। शिविर में डॉ. कृष्णवीर सिंह, डॉ. सान्त्वना उपाध्याय, डॉ. नेहा गुप्ता एवं डॉ. सुभाष बाबू मौजूद रहे।

उत्तर मध्य रेलवे	दिनांक 06.10.2026
ई-निविदा सं०-GSU-ST-GR-CCTV-11-2026	ई-निविदा सुचना
ई-निविदा सूचना	
किरीटी सीएसटीई गति राकि सुगिट (सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के रेलवेति के लिए और उनकी और से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा रिफर्त प्राप्त पर प्रकृष्ट ई-निविदा, विभिन्न खुलने की तिथि को 12.06 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है:-	
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के हरद्वामांग, मैंगरू, इटावा, चिकेडाबाद, फरीदपुर, अजमरगढ़, एकदिल, फर्रुद्, पनवर्षाधम एवं जौनपुरी स्टेशनो पर नाल रोडों के उन्मूलन कार्य के संबंध में पुरानाकार कार्य के अंतर्गत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का प्रस्थापन।	
काम की अनुमानित लागत: 33000782.98 /- अंतिम राशि: 679500.00 /-	
निविदा प्रपन की लागत: 0.00 /- समापन काल: 24 Months	
निविदा खुलने की तिथि: 29.10.2026	
निविदा प्रपन की उपलब्धता: निविदा प्रपन www.reps.gov.in पर उपलब्ध है।	
सहस्र राशि खपा करण एवं उसका रूप: उपरलिखित अधि राशि कंल इन्टरनेट बैंकिंग का ऑनलाइन भुगतान मेट्रो के मध्यम से ऑनलाइन निविदा प्रपन के स्मथ जमा की जानी चाहिए। निविदाकर्ता (हो) को खान देना चाहिए कि, किन्ते की मानने में, चयनित निविदा के अलावा किसी अन्य काम में पराजित नहीं लक्ष्यित नहीं होगी। किन्तु लक्षित पराजित राशि के निविदा किन्ते पराजित में रोककर रखे की जरूरी और पुराना अवरुद्धता कर दी जाएगी।	
निविदा खुलने का समय क्या स्थान: निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रकल्प, प्रयागराज के कार्यालय में 12.30 बजे या उसके बाद बताने जायगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को उपलब्धता रोक है, तब निविदा खोलने के कार्य विवरण को खोले जायगी।	
निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन है।	
निविदा के बीच हेतु रेलवे के अधिकार: रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को खारिज / संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखा है। 2290/26(D)	
North central railways CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in	

उत्तर मध्य रेलवे	दिनांक 06.10.2026
ई-टेंडर नं०- फैलावा/ई-तिन-044-2026-27	ई-निविदा सुचना
ई-निविदा सूचना	
वर्षित मंडल संकेत एवं दूर संचार अधिव्या / समन्वय / उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज, द्वारा कार्य के पारंपरिक के लिए एवं चालकी और से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपन पर दिनांक 02.11.2026 को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है:-	
कार्य का विवरण: विभिन्न विभाग द्वारा दी गई सूची के अनुसार निर्माण में सुझा के सुझा के लिए सीसीटीवी (CCTV) कैंसल का प्रस्थापन।	
अनुमानित मूल्य (रु०): 31,09,780 /- बिदा विनियोश्रीटी (रु०): 62,200 /-	
निविदा प्रपन की मूल्य (रु०): 0 /- समापन की अवधि: 12 माह	
निविदा खुलने की तिथि: 02.11.2026	
निविदा प्रपन की उपलब्धता: निविदा प्रपन www.reps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि के 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायगी।	
बचाने की राशि जमा करण एवं उसका रूप: निविदाई के उपरलिखित बिदा विनियोश्रीटी निविदा प्रपन के साथ ऑनलाइन इन्टरनेट बैंकिंग का ऑनलाइन भुगतान मेट्रो द्वारा की जानी है। यदि निविदा बिदा बिदा विनियोश्रीटी उपरलिखित के अतिरिक्त किसी अन्य काम में जीतने के अवरुद्ध जमा करने है तो उपरलिखित निविदा स्मथ खोला। यदि निविदाकर्ता द्वारा जमा की गई बिदा विनियोश्रीटी केा वापसी के रूप में है तो वह उचित स्मथ कुल के अनुसार होन चाहिए। केन गादटी जमा करने समथ वह उचित स्मथ अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समथ-समथ पर निर्भरित दूर के अनुसार होन चाहिए। बिदा बिदा विनियोश्रीटी बचने निविदाई उपरलिख कर दी जायगी।	
निविदा खुलने का समय, तिथि क्या स्थान: निविदा पूर्ण निर्मित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रकल्प, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को उपलब्धता रोक है, तब निविदा खोलने के कार्य विवरण को खोले जायगी।	
निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक	
निविदा खोलने हेतु रेलवे के अधिकार: रेल प्रशासन का किन्ते की समय किन्त करण बताने कोई पूछा या सारी निविदाई को खारिज / संशोधित / मिला करने का अधिकार सुरक्षित है। 2283/26(D)	
North central railways CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in	

नीलम करवरिया कप प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज | नीलम करवरिया कप 2026 का आयोजन दिनांक 10/10/26 दिन शनिवार को प्रातः 8 बजे से ०पी० ग्राउण्ड स्थित मेजर रंजीत सिंह स्पोर्ट्स कम्प्लेक्स मैदान प्रयागराज में होगा। संबंधित प्रतियोगिता श्रीमती नीलम करवरिया पूर्व विधायक मेजा की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता के आयोजन में प्रयागराज जनपद की कुल बारह विधान सभाओं की 12 टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के आयोजन समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रयागराज के शहरी एवं ग्रामीणांचल क्षेत्र के उदीयमान खिलाड़ियों को

एक उच्चस्तरीय प्लेट फार्म पर अपने खेल कौशल को प्रदर्शित करने का सुअवसर मिल सके। संबंधित प्रतियोगिता में प्रतिभागी खिलाड़ियों टीमों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जायेगा। आयोजन समिति द्वारा विधान सभावार टीमों के चयन हेतु चयन समिति का गठन पारदर्शी नीति के तहत किया गया, तदोपरान्त चयन समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक विधान सभाओं में पूर्व निर्धारित तिथियों पर जाकर

टीमों का चयन किया गया। आयोजन समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि संबंधित विधान सभा की टीम में उस विधान सभा का मूल निवासी



होना अनिवार्य है। इसके साथ प्रत्येक टीमों के कोच व मैनेजर को अधिकृत किया गया है कि आप अपनी सहमति से प्रत्येक टीम में दो खिलाड़ी बाहरी रख सकते हैं। संबंधित प्रतियोगिता प्रयागराज क्रिकेट एसोसिएशन से सम्बद्ध।

प्रतियोगिता को विधिवत यथानिर्धारित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रयागराज क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा पंजीकृत अपायर, स्कोरर, रेफ्री व कमेन्टेटर द्वारा किया जायेगा।

आयोजन समिति द्वारा मैचों को निर्विवाद सम्पन्न कराने हेतु तकनीकी समिति का गठन किया गया है। आयोजन समिति द्वारा समस्त मैचों का यू ट्यूब

10000 नगद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मैन आफ द सीरीज को ट्राफी एवं रु 20000 नगद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में `स्वच्छता ही सेवा अभियान` कार्यक्रम का आयोजन

बना सकते हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री

इसके पश्चात स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर स्थित विधि संकाय में विशेष

आवाहन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों मध्यकालीन आधुनिक इतिहास विभाग के सहायक



श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर उनके स्वच्छ भारत मिशनर् के सपने को पूरा करने की दिशा में इस अखिल भारतीय स्तर के कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस तरह के कार्य समाज में लोगों को प्रेरित करने और इस मुहिम को सफल बनाने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा हैं।

स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ शैलेश कुमार यादव द्वारा स्वयंसेवकों का उत्सवधन करते हुए कार्यक्रम को जन–जन गांव–गांव गली गली एक घंटा स्वच्छता हेतु योगदान देने हेतु

प्राध्यापक डॉ भगत नारायण महतो एवं भूगोल विभाग के सहायक अध्यापक डॉ विकास सिंह तथा डॉ विकास जायसवाल उपस्थित रहे।

उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में अदिति,अंशिका, श्री, हर्षिता, युवराज, आयुष, कार्तिक, निखिल राज आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजधानी में गूंजी एनएचएम कर्मियों की हुंकार, 75 जिलों से जुटे हजारों संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का महाधरना



संयोजिका सुनैना अरोड़ा ने व्यवस्था पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा कि सूबे में स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ माने जाने वाले कर्मचारी बीते 28 सालों से संविदा पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कई कर्मचारियों ने अपना पूरा जीवन इसी आस में खपा दिया, लेकिन आज तक उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला।

सुनैना अरोड़ा ने तल्ख लहजे में पूछा है कि अगर 28 साल तक लगातार सेवा देने के बाद भी कोई कर्मचारी नियमित होने के योग्य नहीं माना जाता, तो फिर सरकार की नजर में नियमितीकरण की परिभाषा क्या है। प्रदर्शनकारियों ने दर्द बयां करते हुए कहा कि संविदा और आउटसोर्सिंग को दोहरी मार

भारत में पहली बार एसजीपीजीआई में हुआ खास इलाज, लिवर कैंसर से पीड़ित 7 महीने के दो बच्चों को बचाया

लखनऊ,संवाददाता। संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई) के पीडियाट्रिक सर्जिकल सुपर स्पेशलिटीज विभाग ने लिवर कैंसर से पीड़ित दो बच्चों की जान बचाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। बताया जा रहा है कि हेपेटोब्लास्टोमा से पीड़ित 6 किलोग्राम से कम वजन वाले दो शिशुओं में रोबोटिक लिवर रिसेक्शन (लिवर का कुछ हिस्सा हटाने की सर्जरी) भारत में पहली बार हुई है।एसजीपीआई पीडियाट्रिक सर्जिकल सुपर स्पेशलिटी के डॉ. बसंत कुमार के

मुताबिक भारत में शिशुओं पर की गई ये पहली रोबोटिक लिवर रिसेक्शन सर्जरी हैं और देश भर में बच्चों पर की गई शुरुआती कुछ रोबोटिक लिवर रिसेक्शन सर्जरी में से एक हैं। यह उपलब्धि 1 बहुत कम उम्र और कम वजन वाले बच्चों की जटिल हेपेटोबिलियरी सर्जरी में रोबोटिक तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

चर्चा नव्य विकास की

ऊँचे–ऊँचे ख्वाब शहर ने ज्यों दिखलाए। छोड़ गॉव का मोह लोभ में सब पगलाए। गर्दन रही मरोड़ इमारत ऊँची– ऊँची। सच्ची यह तस्वीर खींचती रहती कूँची। अहं भाव की साधना चर्चा नव्य विकाश की। काली छाया है बनी जीवन सुखद–विहान की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को लखनऊ में प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष आराधना मिश्रा के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की और चुनावी प्रक्रिया को लेकर पार्टी की ओर से उठाए जा रहे सवालों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कांग्रेस ने देशव्यापी प्रदर्शन के तहत 8 अक्टूबर को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद कई कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और वहीं से नारेबाजी करने लगे। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का–मुक्की की स्थिति भी बनी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर धरना स्थल की ओर भेज दिया। कांग्रेस की ओर से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इससे पहले भी लखनऊ में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की थी और कुछ नेताओं–कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया था। कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। वहीं, इन आरोपों को लेकर भाजपा और अन्य पक्षों की ओर से अलग–अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सपाइयों का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों सपा कार्यकर्ता जिला पार्टी कार्यालय से कलेक्ट्रेट की ओर पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। प्रदर्शन में कुछ कार्यकर्ता चेहरे पर ज्ञानेश कुमार का स्टिकर लगाकर पहुंचे। उन्होंने कैदी की पोशाक पहन रखी थी और हाथों में हथकड़ी थी। कई कार्यकर्ता हाथों में डफली लेकर नारेबाजी करते नजर आए। ज्ञानेश कुमार के पुतले को लेकर सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच खींचतान भी हुई। कार्यकर्ताओं ने पुतले को पैरों से रौंदकर विरोध जताया। बाद में कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक दिया। प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। समाजवादी पार्टी ने 2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान चलाया है। इसके तहत जिला स्तर पर मार्च और प्रदर्शन किए जा रहे हैं। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव और एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। सपा मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे के साथ चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रही है।

वंदे भारत से टकराई गाय, ट्रेन के आगे का हिस्सा टूटा

लखनऊ,संवाददाता। देहरादून से लखनऊ आ रही वंदे भारत ट्रेन गुरुवार को हादसे का शिकार हो गई। दरअसल, रेलवे ट्रैक पर अचानक ट्रेन से एक गाय टकरा गई। लोको पायलट ने सूझबूझ से अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि उसका अगला हिस्सा टूट गया। गाय की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे की टीम मौके पर पहुंच गई। कर्मचारियों ने ट्रैक से गाय को हटाने का काम शुरू किया। इसके साथ ही ट्रैक की जांच और सफाई भी की गई। यह घटना बीकेटी इलाके के नंदना क्रॉसिंग के पास करीब 2 बजे की है। रेलवे कर्मचारी ट्रैक को जल्द से जल्द साफ कर ट्रेन सेवा सामान्य करने में लगे जुट गए। इस दौरान ट्रेन आधे घंटे तक रुकी रही। वंदे भारत 2.30 बजे बीकेटी से लखनऊ के लिए रवाना हुई।

स्वास्थ्यकर्मियों का धरना,वेतन और सेवा शर्तों में सुधार करने की मांग

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में सामुदायिक स्वास्थ्य अधि कारियों का धरना गुरुवार को भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि जब तक सरकार के साथ सहमति नहीं बनेगी, धरना चालू रहेगा। गुरुवार को सभी अधिकारियों को इंतजार है कि बैठक में क्या फैसला लिया जाता है। सीएचओ अर्जुन यादव, रोहित शर्मा और विजय प्रताप ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में सीएचओ कैडर का निर्माण, नियमितीकरण,स्थायीकरण, सम्मानजनक वेतन एवं सेवा शर्तों में सुधार सहित अन्य जायज मांगें शामिल हैं। इन मांगों को लेकर संगठन लगातार शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने पहले ही राज्य सरकार को गाइडलाइन दे रखी है, जबकि राज्य सरकार बार–बार आश्वासन दे रही है। आज का दिन सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण है कि बैठक में क्या निर्णय लिया जाता है।

घुटनों तक पानी में उतरकर सुध लेने पहुंची महापौर सुषमा खड़कवाल, भड़की जनता

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के फैजुल्लागंज में हालात बिगड़ने के बाद आखिरकार प्रशासन और नगर निगम की नींद खुल गई है। पिछले 5 दिनों से गोमती नदी के बड़े जलस्तर और बंदा रोड ओवरफ्लो होने की वजह से पूरा इलाका पानी में डूबा हुआ है। जब लोग जलभराव, पीने के पानी और बिजली की किल्लत से परेशान होकर थक गए, तब जाकर महापौर सुषमा खर्कवाल अधिकारियों के साथ मौके पर जायजा लेने पहुंचीं।

सम्पादकीय.....

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसरॉथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से ‘ऑप्टोजेनेटिक्स’ तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि ा पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरुआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगेमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले रिचव बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन—सा हिस्सा सक्रिय था। लेकिन नई खोज के जरिये वैज्ञानिक पता लगा सकते हैं कि किन खास कोशिकाओं को सक्रिय या शांत करने से यह वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से अब विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाओं के व्यवहार की व्यापक जानकारी जुटायी जा सकेगी। कह सकते हैं कि दिमाग के व्यवहार को समझने के लिये अब नये रास्ते खुल गये हैं।

बहरहाल, यह खोज इस बात का शानदार उदाहरण है कि बुनियादी वैज्ञानिक शोध से कैसे अप्रत्याशित और बड़ी कामयाबी मिल सकती है। शुरुआत में एक छोटे से शैवाल में मौजूद रोशनी के प्रति संवेदनशील प्रोटीन का अध्ययन इस बात के लिये किया गया था कि वह जीव रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। लेकिन अंततरु यह खोज प्रकृति के सबसे बड़े रहस्यों में से एक, यानी इंसानी दिमाग की प्रामाणिक जांच के लिये एक मजबूत व विश्वसनीय साधन बन गयी। भरोसा है कि यह खोज मानव कल्याण के नये मार्ग खोलेगी। वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस खोज के सामने आने के बाद आंखों की रेटिना कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाकर, उन लोगों के जीवन में रोशनी लायी जा सकेगी, जो किसी रोग के कारण दृष्टिहीन हो गए थे। वहीं दुनिया में तेजी से बढ़ रहे दिमागी रोग पार्किंसन के रोग में, खास दिमागी कोशिकाओं को नियंत्रित करके ऐसे रोगी के शरीर में कंपन व अन्य लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकेगा। दूसरी तरफ आधुनिक जीवन शैली से उपजे अवसाद व तनाव के नियंत्रण में भी यह खोज सहायक बन सकती है। उम्मीद जगी है कि यह खोज अवसाद व तनाव के दौरान दिमाग के प्रभावित हिस्सों की पहचान कर सकेगी। इसमें दो राय नहीं कि इस खोज का लाभ आम आदमी तक पहुंचने में अभी कुछ वक्त लगेगा, लेकिन मनुष्य के जीवन में इस खोज ने एक नई उम्मीद तो जगा दी है।

ज्ञानेन्द्र तो फंस गए हैं लेकिन भाजपा?

भाजपा और केंद्र सरकार अगर अभी तक ज्ञानेश कुमार के पीछे खड़ी है तो यह उनके फायदे का सौदा रहा होगा। लेकिन इतना तय मानिए कि अगर ज्ञानेश कुमार फंसते हैं तो यह मेल बहुत दूर तक नहीं जाएगा। केन्द्रीय सत्ता इतनी आसानी से ऐसे मसलों से घिर जाए यह होता नहीं है। वह ज्ञानेश या किसी भी ऐसे अति महत्वाकांक्षी और कॅरियर के छोटे लाभों के लिए कायदे कानून को दरकिनार करने वालों से किनारा करने में देर नहीं लगाएगी। अपनी निर्णय प्रक्रिया में गंभीर नुटि संबंधी इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट आने के बाद से चुनाव आयोग भले आम लोगों को और संबंधित पक्षों के सामने अपनी बात रखने से बचना चाहता था लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार और आयोग के सभी संबंधित लोगों को अदालत के सामने सारे सवालों का जवाब देना पड़ेगा। और फिर इस सफाई का कोई मतलब नहीं है कि अदालत ने याचिकाकर्ता के वकील के इस तर्क को नहीं माना कि मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल निलंबित किया जाए और उनको काम करने से रोका जाए। अदालत यह फैसला नहीं कर सकती और बिना संबंधित पक्ष को सुने ऐसा फैसला न्यायोचित होता भी नहीं। लेकिन अदालत ने जिस तरह हर बात सफाई पृछी है और फार्म 6 के विवाद में खुद को घसीटे जाने से अपना पाला झटका है वह इस बात का संकेत है कि ज्ञानेन्द्र कुमार मुश्किल में हैं। अगर 14 फ़ैसलों पर शेष दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों को उन्होंने दरकिनार किया था तो यह गंभीर दोष है और सरकार

पितृ पक्ष: श्राद्ध से पहले श्रद्धा की परीक्षा

पितरों को तर्पण देने वाले हाथ क्या अपने ही घर के जीवित बुजुर्गों के आँसू पोंछने के लिए भी तैयार हैं?



जयराम जय

पितृ पक्ष शुरु होते ही हमारे घरों में पूर्वजों की स्मृति लौट आती है। तिल, जल, कुश, पिंड, श्राद्ध, ब्राह्मण—भोज और तर्पणकृइन सबके बीच हम अपने पितरों को याद करते हैं। कोई नदी के तट पर जाता है, कोई घर में विधि—विधान करता है और कोई अपनी सामर्थ्य के अनुसार पूर्वजों के नाम पर दान—पुण्य करता है। यह सब हमारी दीर्घ सांस्कृ तिक स्मृति का हिस्सा है। लेकिन इसी बीच एक प्रश्न हमारे समय के सामने खड़ा होना चाहिएकृक्या हमने अपने पितरों को केवल मृत्यु के बाद याद करने की आदत डाल ली है?

जिस पिता ने हमें चलना सिखाया, उसके साथ चलने के लिए हमारे पास समय क्यों नहीं है? जिस माँ ने हमारे लिए अपनी इच्छाएँ छोड़ दीं, उसकी वृद्धावस्था की इच्छाओं के लिए हमारे पास धैर्य क्यों नहीं है? जिस घर को माता—पिता ने अपने श्रम से बनाया, उसी घर में उनकी उपस्थिति हमेंअसुविधा क्यों देने लगती है? और मृत्यु के बाद उसी माता—पिता के नाम पर आयोजित श्राद्ध हमारे लिए प्रतिष्ठा का विषय कैसे बन जाता है?

यह विरोधाभास केवल पारिवारिक नहीं, हमारे समय का नैतिक प्रश्न है। पितृ पक्ष की सबसे बड़ी जरूरत आज शायद तर्पण की नहीं, आत्मपरीक्षण की है।

परंपरा को खारिज करना जितना आसान है, समझना उतना ही कठिन आधुनिकता के उत्साह में परंपराओं को ‘दकियानूसी’ कह देना आज एक फैशन बन गया है। किसी धार्मिक कर्मकांड को देखकर तुरंत यह निष्कर्ष निकाल लेना कि यह अवैज्ञानिक है, रूढ़िवादी है या पुराने समय की मानसिकता का अवशेष हैकृयह भी उतना ही सतही दृष्टिकोण है, जितना किसी परंपरा को बिना समझे केवल इसलिए स्वीकार कर

लेना कि वह पुरानी है।

परंपरा की परीक्षा उसके बाहरी रूप से नहीं, उसके अंतर्निहित मूल्य से होनी चाहिए। पितृ पक्ष के पीछे यदि केवल कर्मकांड होता, तो उसकी चर्चा इतनी दूर तक नहीं जाती। इसके केंद्र में मनुष्य की वह सहज अनुभूति है, जिसमें वह अपने अस्तित्व के पीछे खड़े लोगों को याद करता है। हम अकेले नहीं बने हैं। हमारे शरीर में पीढ़ियों की जैविक निरंतरता है, हमारी भाषा में पीढ़ियों की स्मृति है, हमारे संस्कारों में पीढ़ियों का अनुभव है और हमारी सामाजिक पहचान में असंख्य पूर्वजों का योगदान है।

इसलिए पितृ—स्मरण वस्तुतः अतीत के प्रति कृतज्ञ वर्तमान की अभिव्यक्ति है।

‘श्राद्ध’ में कर्म से पहले ‘श्रद्धा’ भारतीय परंपरा की गहराई इस बात में है कि उसने माता—पिता के प्रति सम्मान को केवल सामाजिक शिष्टाचार नहीं माना। तैत्तिरीय उपनिषद् की शिक्षावल्ली में दीक्षांत उपदेश के रूप में कहा गया हैकृ“देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव।” अर्थात् देव और पितृ—संबंधी कर्तव्यों में प्रमाद न करो; माता को देवतुल्य मानो, पिता को देवतुल्य मानो।

यहाँ एक महत्वपूर्ण बात है। उपनिषद् केवल यह नहीं कहता कि पिता की मृत्यु के बाद उनका श्राद्ध करो। वह जीवित माता—पिता के प्रति हमारी दृष्टि को ही देवत्व की दृष्टि बनाता है।

यानी पितृ सम्मान की पहली प्रयोगशाला हमारा अपना घर है।

यदि वहाँ माता—पिता उपेक्षित हैं और बाहर उनके नाम पर धार्मिक अनुष्ठान हो रहा है, तो हमें अपने भीतर झाँकने की जरूरत है।

पितृ ऋण रु केवल कर्मकांड नहीं, उत्तरदायित्व भारतीय दर्शन में ‘ऋण’ का अर्थ केवल आर्थिक देनदारी नहीं है। ऋण का अर्थ हैकृजो हमें मिला है, उसके प्रति हमारी जवाबदेही।

पितृ ऋण इसी व्यापक नैतिक अवधारणा का हिस्सा है। हमने जीवन अपने माता—पिता से पाया। उन्होंने हमें केवल जन्म नहीं दिया, बल्कि हमारी परवरिश, शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक पहचान के लिए अपना जीवन लगाया। इसलिए उनके प्रति हमारा दायित्व स्वाभाविक है।

इसी व्यापक गृहस्थ—धर्म में पंचमहायज्ञों की अवधारणा सामने आती है। शतपथ ब्राह्मण

पाँच महायज्ञों में पितृयज्ञ को स्थान देता हैकृभूतयज्ञ, मनुष्ययज्ञ, पितृयज्ञ, देवयज्ञ और ब्रह्मयज्ञ। मनुस्मृति में भी पंचमहायज्ञों का विधान मिलता है और पितृयज्ञ को तर्पण से जोड़ा गया है।

इससे एक महत्वपूर्ण बात सामने आती हैकृपितृयज्ञ भारतीय चिंतन में जीवन से अलग कोई अकेला अनुष्ठान नहीं था। वह व्यापक उत्तरदायित्व—बंध का हिस्सा था।

अर्थात् पितृ ऋण का दर्शन हमें यह नहीं सिखाता कि वर्ष में कुछ दिनों तक पितरों को याद करके हम अपना दायित्व समाप्त कर दें। वह हमें स्मृति, कृतज्ञता और उत्तरदायित्व के निरंतर संबंध की ओर ले जाता है।

आधुनिक परिवार की सबसे बड़ी विडंबना

आज का शिक्षित और संपन्न वर्ग अपने बच्चों को अपने से बेहतर जीवन देना चाहता है। माता—पिता अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करके बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराते हैं और उनके भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं तक को स्थगित कर देते हैं।

लेकिन सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए वही बच्चे कई बार उस पीढ़ी से दूर होते जाते हैं जिसने उन्हें वहाँ पहुँचाया।

पिता की भाषा पुरानी लगने लगती है। उसका पहनावा आधुनिक सामाजिक मंडली में असहज लगता है। माँ की घरेलू सादगी उस चमकदार सामाजिक जीवन में जगह नहीं बना पाती। धीरे—धीरे माता—पिता घर के केंद्र से निकलकर किसी एक कमरे के कोने में चले जाते हैं।

कभी—कभी उनके लिए अलग भोजन बनता है।

कभी उनसे बातचीत का समय नहीं मिलता।

कभी उनके साथ बाहर जाना ‘समय की बर्बादी’ लगता है।

और कभी उनके पास बैठना इसलिए कठिन लगता है क्योंकि उनकी बातें हमें अपने व्यस्त और तेज जीवन की गति से बाहर ले जाती हैं।

यहाँ आधुनिकता दोषी नहीं है। दोष उस संवेदनहीन आधुनिकता का है, जिसमें सुविधा तो बढ़ती है, लेकिन संबंधों के लिए समय घटता जाता है।

जीवित माँ की भूख बनाम

एक प्रसंग इस विडंबना को असाधारण तीव्रता से सामने रखता है।

पिता का श्राद्ध होने वाला है। घर में तैयारी है। पंडित जी

उन्होंने संभवतः यह कल्पना नहीं की होगी कि उनके वंशज एक दिन उनकी तस्वीरों पर मालाएँ चढ़ाएँगे, बड़े—बड़े श्राद्ध भोज करेंगे और उसी समय घर के किसी कोने में बैठा उनका वृद्ध जीवनसाथी अकेलेपन से जूझ रहा होगा।

पूर्वजों का सबसे बड़ा सम्मान उनकी स्मृति को हमारे आचरण में जीवित रखना है।

यदि पिता ने ईमानदारी सिखाई, तो ईमानदार बनना उनका श्राद्ध है।

यदि माँ ने करुणा सिखाई, तो किसी दुखी मनुष्य के प्रति करुणा रखना उनका तर्पण है। यदि उन्होंने परिवार को जोड़कर रखा, तो परिवार को जोड़कर रखना उनकी सच्ची स्मृति है।

यदि उन्होंने वृद्धावस्था में अपने माता—पिता की सेवा की, तो अपने वृद्ध माता—पिता के साथ वही संवेदना दोहराना उनके प्रति वास्तविक कृतज्ञता है।

पितृ पक्ष रु अतीत से संवाद का वर्तमान अवसर

पितृ पक्ष को इसलिए केवल मृत्यु की स्मृति का पर्व नहीं समझना चाहिए। यह जीवितों की भी अपने संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर देता है।

इस अवसर पर हम अपने घर में देखेंकृक्या कोई वृद्ध अकेला है?

क्या कोई पिता अपनी बात कहने के लिए किसी का इंतजार कर रहा है?

क्या कोई माँ केवल इसलिए चुप है कि उसे लगता है कि उसकी बातें सुनने वाला कोई नहीं?

क्या किसी बुजुर्ग को आर्थिक सहायता से अधिक भावनात्मक साथ की जरूरत है?

क्या हमने अपने बच्चों को यह सिखाया है कि वृद्धावस्था कोई बोझ नहीं, जीवन की सबसे बड़ी परीक्षा जीवितों के बीच होती है।

ये प्रश्न पितृ पक्ष को हमारे वर्तमान से जोड़ते हैं।

और यही आवश्यक भी है। कोई भी परंपरा तभी जीवित रहती है, जब वह वर्तमान मनुष्य की संवेदना से जुड़ती है।

दूसरे धर्मों में भी पूर्वज—स्मृति पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता किसी एक समुदाय की विशिष्ट मानवीय भावना नहीं है। विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं ने दिवंगत प्रियजनों और पूर्वजों की स्मृति के लिए अलग—अलग अवसर और विधियाँ विकसित की हैं। इस्लामी परंपरा में शब—ए—बरात और ईसाई परंपरा में अनी सोल्स डे जैसे अवसरों की अपनी विशिष्ट धार्मिक मान्यताएँ हैं।

विधियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन मनुष्य की मूल अनुभूति समान हैकृजो हमसे पहले चले गए, वे हमारी स्मृति से पूरी तरह समाप्त नहीं होते। इसलिए पितृ पक्ष का मानवीय अर्थ किसी धार्मिक प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं, बल्कि मनुष्य की सार्वभौमिक कृतज्ञता का विषय है। असली प्रश्न रु हम अपने बच्चों को क्या विरासत देंगे? पितृ पक्ष का सबसे गंभीर प्रश्न शायद यह नहीं है कि हम अपने पितरों को क्या अर्पित करेंगे। प्रश्न यह है कि हम अपनी अगली पीढ़ी को क्या सिखाएँगे? हम अपने बच्चों को यह सिखा सकते हैं कि दादा—दादी केवल पुराने समय के लोग हैं, या यह भी सिखा सकते हैं कि वे परिवार की जीवित स्मृति हैं। हम उन्हें यह सिखा सकते हैं कि वृद्ध माता—पिता की देखभाल एक बोझ है, या यह कि जीवन के जिस चरण में

उन्होंने हमारा हाथ पकड़ा था, उस चरण में उनका हाथ पकड़ना हमारा नैतिक दायित्व है।

क्योंकि आज हम अपने माता—पिता के साथ जैसा व्यवहार कर रहे हैं, कल वही व्यवहार हमारी अगली पीढ़ी के लिए एक सामाजिक पाठ बन जाएगा।

पितृ ऋण केवल पीछे की ओर देखने का दायित्व नहीं है; यह आगे की पीढ़ी के लिए एक बेहतर मानवीय संस्कृति छोड़ने का संकल्प भी है।

श्राद्ध की आत्मा को बचाने की जरूरत

धार्मिक आस्था रखने वाला व्यक्ति तर्पण करे, पिंडदान करे, श्राद्ध करेकृयह उसकी श्रद्धा है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन कर्मकांड को संवेदना से अलग कर देना उसके अर्थ को छोटा कर देता है।

तिल और जल अर्पित कीजिए, लेकिन साथ में किसी जीवित बुजुर्ग की प्यास भी बुझाइए।

पितरों के नाम पर भोजन कराइए, लेकिन अपने घर के वृद्ध माता—पिता ने समय पर भोजन किया या नहीं, यह भी देखिए।

पूर्वजों की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाइए, लेकिन उनके दिए संस्कारों को अपने व्यवहार में भी स्थान दीजिए।

और यदि कभी विधि—विधान की सुविधा न हो, तो कम—से—कम अपने भीतर उनके प्रति कृतज्ञता का दीप जलाए रखिए।

क्योंकि अंततः श्राद्ध की शक्ति कर्मकांड में नहीं, श्रद्धा में है; और श्रद्धा की सच्चाई शब्दों में नहीं, व्यवहार में दिखाई देती है।

अंततः निष्कर्ष यह है कि

१ पितृ पक्ष में हम मृतकों को याद करते हैं, पर इसकी सबसे बड़ी परीक्षा जीवितों के बीच होती है।

पितरों को तिलांजलि देने से पहले हमें अपने भीतर संवेदना का जल बचाना होगा।

मृत पूर्वजों के लिए श्राद्ध करने से पहले जीवित माता—पिता के प्रति अपना दायित्व निभाना होगा।

और यदि हमारे आचरण में पूर्वजों के संस्कार जीवित हैं, तो शायद वही उनका सबसे सच्चा तर्पण है।

पितरों को प्रसन्न करने का सबसे मानवीय मार्ग यही है कि उनके दिए जीवन—मूल्यों से किसी जीवित आत्मा को दुःख न पहुँचे। १

लेखक परिचय

जयराम जय गीत—नवगीत, ग़ज़ल, छंद कहानी, आलेख,समीक्षा के सक्रिय रचनाकार हैं। हिन्दी में परास्नातक तथा पत्रकारिता और वास्तुविद्या में शिक्षित जय की कृति 'ज़िंदगी गीत है' प्रकाशित है, जबकि 'छंद की छाँव में' सवैया—घनाक्षरी संग्रह प्रकाशनाधीन है। उनकी रचनाएँ विभिन्न साझा संकलनों में प्रकाशित हुई हैं। वे 'हमारा शहर', 'शेषामृत' और 'धरती बचे प्रदूषण से' जैसी पत्रिकाओं तथा कई संकलनों के संपादन—सहयोग से जुड़े रहे हैं। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद से वास्तुविद् अभियंता के रूप में सेवानिवृत्त होकर वे स्वतंत्र लेखन में सक्रिय हैं।

संपर्क: 'पर्णिका' बी—11/1 कृष्ण विहार,आवास विकास, कल्याणपुर, कानपुर—208017 (उ.प्र.)

मो.नं. 9415429104

—9369848238

ई—मेल:

jairamjay2011@gmail.com



गीली लकड़ी मत लगाना... नाना पाटेकर ने अपनी मौत के बारे में सालों पहले ही सोच लिया था

मराठी और हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की उम्र में गोवा स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीने वाले नाना अपनी मौत को लेकर भी बेहद बेबाक थे। साल 2023 में अपनी फिल्म द वैक्सिन वॉर के प्रचार के दौरान उन्होंने हंसते-हंसते अपनी मौत और अंतिम संस्कार से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया था। सितंबर 2023 में दिए एक इंटरव्यू में नाना पाटेकर ने कहा था कि वे मौत को जीवन का एक स्वाभाविक सच मानते हैं और जानते हैं कि एक न एक दिन सबको जाना ही है।अपनी अंतिम यात्रा की तैयारी का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया था, धैर्ये अपने लिए 12 मन सूखी लकड़ियां पहले से ही संभालकर रखी हैं। मैंने साफ कह दिया है कि मुझे उसी में जलाना, किसी भी हाल में गीली लकड़ी का इस्तेमाल मत करना। जब उनसे इसकी वजह पूछी गई, तो उन्होंने अपने चिरपरिचित मजाकिया अंदाज में कहा था कि गीली लकड़ी के इस्तेमाल से धुआं निकलेगा और अंतिम संस्कार में शामिल दोस्तों और लोगों की आंखों से पानी (आंसू) आने लगेगा। नाना ने कहा था, मरते वक्त कम से कम मुझे यह गलतफहमी तो नहीं होनी चाहिए कि लोग मेरे जाने पर रो रहे हैं। गुरुवार तड़के गोवा स्थित उनके घर पर नाना की तबीयत अचानक बिगड़ गई। मणिपाल अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, रात करीब 2.30 बजे नाना ने अपने एक दोस्त को सीने में दर्द की शिकायत की थी। केयरटेकर और एम्बुलेंस की मदद से उन्हें तड़के 4.20 बजे अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की करीब 45 मिनट की मशक्कत और सीपीआर के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका और सुबह 5.20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। निधन से महज चार दिन पहले (4 अक्टूबर) गोवा के एक कार्यक्रम में उन्होंने जीवन की अनिश्चितता पर बात करते हुए कहा था, आज मैं यहां हूं, कल का क्या पता। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय सिनेमा और रंगमंच में नाना पाटेकर के अतुलनीय योगदान को देखते हुए उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ करने का ऐलान किया है। उनके पार्थिव शरीर को पुणे के पास स्थित डांजे फार्माहाउस पर ले जाया जाएगा, जहां उनके प्रिय स्थान पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न होगा। तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्म श्री से सम्मानित नाना ने अपने जीवन को सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसके माध्यम से उन्होंने महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त किसानों और उनके परिवारों की ऐतिहासिक मदद की।

बालीवुड के लीजेंड अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं रहे, खबरों की मानें तो कहा जा रहा है कि कार्डियक अरेस्ट के चलते उन्होंने 75 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ साथ नाना पाटेकर अपने सिंपल अंदाज के लिए भी जाने जाते थे। इतने दिग्गज स्टार होने के बावजूद वह बिल्कुल आम लोगों की तरह जिंदगी जीते थे! उनकी कुछ फिल्में आज भी लोग वैसे ही देखना पसंद करते हैं जैसे पहले चलिए आपको

आज मीडिया का सारा ध्यान ईविल डेड पर होगा, नाना पाटेकर पर मीटू का इल्जाम लगाने वाली तनुश्री दत्ता ने दिया शॉकिंग बयान

मशहूर एक्टर नाना पाटेकर के निधन के बाद एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने खबर सुनी थी लेकिन लखनऊ में अपने काम पर ध्यान देना चाहती थीं। उन्होंने उनके परिवार के प्रति संवेदना भी जताई और कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया दें, साथ ही इसे ईविल डेड भी कहा। उन्होंने कहा, मैंने खबर सुनी है। आज मेरा काम का दिन है। मैं एक इवेंट के लिए लखनऊ जा रही हूं और उसी पर ध्यान देना चाहती हूं। यह सब होने के लिए कितना अजीब दिन है क्योंकि मैं लखनऊ में एक बहुत बड़ा इवेंट कर रही हूं। यह मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण था। मैंने पूरे दिन लाइव करने और कंटेंट पोस्ट करने की योजना बनाई थी और अब मुझे चिंता है कि शाम को मीडिया की दिलचस्पी सिर्फ

‘सलाम बॉम्बे!’, ‘खामोशी’ और ‘वेलकम’ जैसी अनगिनत यादगार फिल्मों में अपने जीवंत और बहुमुखी अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 76 वर्ष की आयु में गोवा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। नाना पाटेकर के सिनेमाई सफर का जिक्र जब भी होगा, 1994 में आई उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म ‘क्रांतिवीर’ का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के सुपरहिट और प्रतिष्ठित होने से बहुत पहले ही हिंदी सिनेमा के ‘ट्रेजेडी किंग’ दिलीप कुमार ने भविष्यवाणी कर दी थी कि यह फिल्म नाना पाटेकर की पहचान बन जाएगी।

दिलीप कुमार की इस टिप्पणी का किस्सा ‘क्रांतिवीर’ के निर्देशक मेहुल कुमार ने दो साल पहले फिल्म के 30 साल पूरे होने के मौके पर सुनाया था। कुमार ने यूट्यूब चैनल ‘बॉलीवुड ठिकाना’ को बताया था कि दिलीप कुमार ने सुनील दत्त के ‘अजंता आर्ट्स’ में ‘क्रांतिवीर’ की फिल्म का ट्रायल देखा था। इस दौरान दिलीप कुमार, सायरा बानो और उनके परिवार के कुछ सदस्य मौजूद थे। मेहुल कुमार के अनुसार, फिल्म खत्म होने के बाद दिलीप कुमार बाहर आए और एक संगमरमर की कुर्सी पर बैठे, जिसके पीछे नरगिस की तस्वीर थी। उन्होंने बताया, ‘दिलीप साहब ने मुझे बुलाया और कहा कि आपने ऐसी फिल्म बनाई है कि इसका खुमार लोगों पर बना रहेगा।’ उनके अनुसार, नरगिस

उनकी बेस्ट 5 मूवीज बताते हैं जो लोगो को बहुत पसंद आई थी।
क्रांतिवीर (1994)
नाना पाटेकर ने इसमें प्रताप नारायण तिलक का किरदार निभाया था। गुस्सा, दर्द, बेबसी और देश के लिए लड़ने का जुनून इन सबको उन्होंने इतनी ताकत से पर्दे पर उतारा था। गुलाम ए मुस्तफा
मुस्तफा के किरदार में नाना पाटेकर ने एक ऐसे व्यक्ति की

की तस्वीर की ओर इशारा करते हुए दिलीप कुमार ने बताया कि ‘मदर इंडिया’ का ट्रायल देखने के बाद इसी जगह उन्होंने नरगिस से कहा था कि इसके बाद वह चाहे जो भी करें, ‘मदर इंडिया’ का नाम हमेशा उनके साथ जुड़ा रहेगा। मेहुल कुमार ने कहा, “दिलीप साहब ने मुझसे कहा कि आप नाना को बता देना कि वह इसके बाद चाहे जो भी करें, ‘क्रांतिवीर’ का नाम हमेशा उनके साथ जुड़ा रहेगा।” उन्होंने बताया कि दिलीप कुमार ने फिल्म की काफी सराहना की थी। उन्होंने कहा, “मैं घर गया और नाना को फोन करके बताया कि दिलीप साहब ने फिल्म देखी है और कहा है कि नाना इसके बाद चाहे जो भी करें, ‘क्रांतिवीर’ का नाम जिंदगी भर उनके साथ रहेगा। और आज देखिए, ‘क्रांतिवीर’ और नाना आज भी एक–दूसरे से अलग नहीं हैं।”



ईविल डेड में होगी। इसलिए, जब मुझे पता चल जाएगा कि मुझे कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए, तब मैं अपनी प्रतिक्रिया दूंगी। तो, निश्चित रूप से, परिवार के प्रति संवेदना। बहुत-बहुत धन्यवाद। जानकारी के लिए बता दें कि तनुश्री दत्ता और नाना पाटेकर 2018 में भारत के मीटू मूवमेंट के दौरान एक विवाद के केंद्र में थे। एक्ट्रेस ने मशहूर एक्टर पर हॉर्न ओके प्लीज की शूटिंग के दौरान उनके साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया था और बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। नाना पाटेकर ने

की तस्वीर की ओर इशारा करते हुए दिलीप कुमार ने बताया कि ‘मदर इंडिया’ का ट्रायल देखने के बाद इसी जगह उन्होंने नरगिस से कहा था कि इसके बाद वह चाहे जो भी करें, ‘मदर इंडिया’ का नाम हमेशा उनके साथ जुड़ा रहेगा। मेहुल कुमार ने कहा, “दिलीप साहब ने मुझसे कहा कि आप नाना को बता देना कि वह इसके बाद चाहे जो भी करें, ‘क्रांतिवीर’ का नाम हमेशा उनके साथ जुड़ा रहेगा।” उन्होंने बताया कि दिलीप कुमार ने फिल्म की काफी सराहना की थी। उन्होंने कहा, “मैं घर गया और नाना को फोन करके बताया कि दिलीप साहब ने फिल्म देखी है और कहा है कि नाना इसके बाद चाहे जो भी करें, ‘क्रांतिवीर’ का नाम जिंदगी भर उनके साथ रहेगा। और आज देखिए, ‘क्रांतिवीर’ और नाना आज भी एक–दूसरे से अलग नहीं हैं।”

संयोग से नाना पाटेकर को मिला एकमात्र फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार ‘क्रांतिवीर’ के लिए था और यह पुरस्कार उन्हें दिलीप कुमार ने ही प्रदान किया था। बाद में एक साक्षात्कार में पाटेकर ने बताया था कि फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने के बाद दिलीप कुमार ने उन्हें अपने घर बुलाया था। नाना पाटेकर ने कहा था, “मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे दिग्गजों से मिलने का मौका मिला। दिलीप कुमार ने एक बार मुझे अपने घर बुलाया था। बारिश हो रही थी और मैं पूरी तरह भीग गया था। उन्होंने मुझे देखा और सबसे पहले तौलिया लाकर खुद मुझे सुखाया। फिर अपना एक कुर्ता लाकर मुझे दिया।”

नाना पाटेकर की ये 5 फिल्में आज भी हैं लोगों की पसंद, हर किरदार में छोड़ी अपनी अलग छाप

अपनी दमदार एक्टिंग के साथ साथ नाना पाटेकर अपने सिंपल अंदाज के लिए भी जाने जाते थे। इतने दिग्गज स्टार होने के बावजूद वह बिल्कुल आम लोगो की तरह जिंदगी जीते थे! उनकी कुछ फिल्में आज भी लोग वैसे ही देखना पसंद करते हैं।

कहानी निभाई जो अपराध की दुनिया में होने के बावजूद अपने अंदर इंसानियत और भावनाएं रखता है। गुलाम ए मुस्तफा नाना के उन किरदारों में से है जिन्हें आज भी लोग देखना पसंद करते हैं!

अग्निसाक्षी (1996)
इस फिल्म में नाना पाटेकर का किरदार काफी गंभीर और मनोवैज्ञानिक था। उन्होंने एक ऐसे पति की भूमिका निभाई जिसके व्यवहार में प्यार के साथ–साथ जुनून और खतरनाक अधिकार की भावना भी दिखाई देती है।

परिदा (1989)
अन्ना का किरदार नाना पाटेकर के करियर के सबसे प्रभावशाली किरदारों में माना जाता है। फिल्म में उनका खतरनाक और ठंडे मिजाज वाला किरदार बेहद असरदार रहा।

अब तक छप्पन (2004)
इसमें नाना ने साधु आगाशे नाम के पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई। यह किरदार शांत, सख्त और अपने काम के प्रति जुनूनी है। नाना ने बिना जरूरत ज्यादा नाटकीयता के इस भूमिका को निभाया और अपने अभिनय से साधु आगाशे को यादगार बना दिया। नाना पाटेकर की खासियत यह रही कि उन्होंने सिर्फ हीरो बनने की कोशिश नहीं की। उन्होंने ऐसे किरदार निभाए जिनमें गुस्सा, दर्द, डर, अपराध I, इंसानियत और कमजोरी, सब कुछ दिखाई देता था। उनकी आवाज, संवाद बोलने का अंदाज और चेहरे के भाव उनके किरदारों को और ज्यादा प्रभावशाली बना देते हैं। वेलकम में उन्होंने कॉमेडी करके भी अपने फैंस को इंप्रेस किया। आपको नाना पाटेकर की कौन सी पिसउ सबसे अच्छी लगती है जिसे आप बार बार देखना पसंद करते हैं हमें कमेंट बॉक्स में बताना न भूलें...



आरोपों से इनकार किया और उन्हें झूठा बताया। नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर को गंभीर कार्डियक अरेस्ट के बाद निधन हो गया। उन्हें गोवा के डोना पाउला स्थित मणिपाल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों के अनुसार उन्हें सुबह 4.20 बजे लाया गया था। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उन्होंने लगभग 45 मिनट से एक घंटे तक पीसीआर देकर उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आखिरकार डॉक्टरों ने सुबह 5.20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।



पाटेकर ने कहा था कि इसके बाद उन्हें किसी और पुरस्कार की जरूरत नहीं है। 1994 में आई ‘क्रांतिवीर’ का निर्देशन और निर्माण मेहुल कुमार ने किया था। फिल्म में नाना पाटेकर, डिंपल कपाड़िया, अतुल अग्निहोत्री और ममता कुलकर्णी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फरीदा जलाल, परेश रावल, टीनू आनंद और डेनी डेंजोंगपा ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। फिल्म ने चार



‘नाना जी वास्तव में बेमिसाल थे’, नाना पाटेकर के निधन पर अक्षय कुमार, आर माधवन और बॉलीवुड हस्तियों ने जताया शोक

बहुमुखी प्रतिभा के धनी और भारतीय सिनेमा में अपनी दमदार संवाद अदायगी के लिए मशहूर 75 वर्षीय दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के आकस्मिक निधन से सिनेमा जगत में गहरा शोक फैल गया है। बृहस्पतिवार तड़के गोवा स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। अक्षय कुमार, आर. माधवन, कंगना रनौत सहित सिनेमा जगत की तमाम हस्तियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। देसीउत्पाद खोजें बहुमुखी प्रतिभा के धनी और पर्दे पर दमदार मौजूदगी के लिए मशहूर 75 वर्षीय अभिनेता का बृहस्पतिवार तड़के गोवा स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पणजी के निकट डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में वह बेहोश पाए गए थे जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय कुमार ने 2007 की कॉमेडी फिल्म ‘वेलकम’ में पाटेकर के साथ काम किया था। फिल्म में पाटेकर द्वारा निभाया गया डॉन उदय शेटी का किरदार काफी लोकप्रिय हुआ था। अक्षय ने अभिनेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। अक्षय ने ‘एक्स’ पर लिखा, “नाना जी के निधन की खबर से वास्तव में बहुत दुखी हूं। वह उन दुर्लभ अभिनेताओं में से थे, जिन्हें दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ती थी। उनकी आवाज, वह तीव्रता, हर अभिनय में वह ईमानदारी... वह पूरी तरह अपने आप में एक अलग शख्सियत थे।” उन्होंने कहा, “उनके साथ फिल्म के सेट पर बिताई बहुत सी यादें हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगी। नाना जी वास्तव में बेमिसाल थे। यह विश्वास करना मुश्किल है कि आप नहीं रहे। इन सभी यादों के लिए धन्यवाद। आपकी कमी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।” अक्षय ने 2025 में आई फिल्म ‘हाउसफुल 5’ में आखिरी बार पाटेकर के साथ काम किया था। आर माधवन ने पाटेकर को “दिग्गज” बताते हुए कहा कि 1991 की समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म ‘प्रहाररू द फाइनल अटैक’ में उनके अभिनय से वह बेहद प्रभावित और प्रेरित हुए थे। माधवन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कहा, “एक दिग्गज हमसे हमेशा के लिए दूर चला गया। रंगमंच पर दिए अविस्मरणीय पलों और अभिनेताओं को दिए अमूल्य सबक के लिए धन्यवाद। मुझे आज भी याद है कि ‘प्रहार’ देखने के बाद मैं कितना प्रभावित और प्रेरित हुआ था। सर, आपके जैसा दूसरा कोई नहीं होगा। आत्मा को शांति मिले।” कंगना रनौत ने कहा कि पाटेकर को स्वस्थ देखकर उनके निधन की खबर विशेष रूप से स्तब्ध करने वाली है। उन्होंने लिखा, “यह बेहद दुखद और त्रासद खबर है, खासकर इसलिए क्योंकि नाना जी बिल्कुल स्वस्थ और फिट नजर आते थे। ६ शांति।” अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पाटेकर की एक तस्वीर साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भूमि पेडनेकर ने भी पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, “सर, आपकी आत्मा को शांति मिले। ६ शांति। आपके परिवार और सभी प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं।” कारस्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा ने कहा कि वह इस खबर से “स्तब्ध” हैं। उन्होंने कहा, “यह विश्वास करना मुश्किल है। नाना भाई, आपकी आत्मा को शांति मिले।” भारतीय सिनेमा के सबसे चर्चित अभिनेताओं में शामिल पाटेकर ने 1978 में ‘गमन’ से फिल्मों में कदम रखा था। उन्हें सफलता 1989 में आई ‘परिदा’ से मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। उनकी प्रमुख फिल्मों में ‘अंगार’, ‘अपहरण’, ‘क्रांतिवीर’, ‘अग्निसाक्षी’, ‘अब तक छप्पन’, ‘राजनीति’ और मराठी फिल्म ‘नटसम्प्राट’ शामिल हैं। पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

जब दिलीप कुमार ने कहा था, नाना पाटेकर के साथ हमेशा जुड़ा रहेगा ‘क्रांतिवीर’ का नाम

फिल्मफेयर पुरस्कार और एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। नाना पाटेकर को उस वर्ष ‘क्रांतिवीर’ में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार दोनों मिले थे। पाटेकर ने फिल्म में एक स्वतंत्रता सेनानी के अडियल बेटे की भूमिका निभाई थी, जो बाद में गरीबों के कल्याण के लिए संघर्ष करने वाला व्यक्ति बन जाता है। फिल्म में पाटेकर का चर्चित संवाद “ये मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून, बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा, बता” आज भी मुख्यधारा की हिंदी फिल्मों में सांप्रदायिक सौहार्द पर बने प्रभावशाली दृश्यों में गिना जाता है।



घर पर इन चीजों से बनाकर तैयार करें फ्लोर क्लीनर, मिनटों में साफ हो जाएंगे दाग-धब्बे

फ्लोर क्लीनर का इस्तेमाल किए बिना फर्श पर लगे दाग को साफ करना मुश्किल होता है। इसलिए क्लीनर का इस्तेमाल करते समय कई बातों का खास ख्याल रखना होता है। ऐसे में आप घर पर नेचुरल होममेड फ्लोर क्लीनर बना सकते हैं।

हम सभी अपने घरों की साफ—सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। लेकिन कई बार फर्श को साफ करना मुश्किल होता है। खासकर अगर आप क्लीनर का इस्तेमाल नहीं करती हैं। हालांकि मार्केट में कई तरह के फ्लोर क्लीनर मिल जाएंगे, जिनसे फ्लोर आसानी से साफ हो जाता है। लेकिन इनमें ऐसे रसायन मिले होते हैं, जिनका लंबे समय तक उपयोग करने से फ्लोर का ओरिजनल कलर चला जाता है। साथ ही अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं, तो यह क्लीनर उनके लिए भी हानिकारक हो सकते हैं।

हालांकि फ्लोर क्लीनर का इस्तेमाल किए बिना फर्श पर लगे दाग को साफ करना मुश्किल होता है। इसलिए क्लीनर का इस्तेमाल करते समय कई बातों का खास ख्याल रखना होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से घर पर नेचुरल होममेड फ्लोर क्लीनर बना सकते हैं।

रबिंग अल्कोहल से बनाएं फ्लोर क्लीनर
रबिंग अल्कोहल को भी आप फ्लोर क्लीनर की तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें नेचुरल काटाणुनाशक पाए जाते हैं, जो फर्श पर मौजूद कीटाणुओं को मारने के साथ फर्श पर जमी गंदगी, धूल और ग्रीस को हटाने में सहायता करता है। आप इससे कुछ ही मिनटों में गंदे फ्लोर को साफ कर सकती हैं। इसको बनाने के लिए रबिंक अल्कोहल और पानी को मिक्स कर स्प्रे बोतल में भर लें। यह आपके फ्लोर को चमकदार बना देगा।

विनेगर से बनाएं फ्लोर क्लीनर
विनेगर में एसिड पाया जाता है। यह कीटाणुओं और चिपकी हुई गंदगी को ढीला करता है और जमी हुई जिद्दी चर्बी को भी हटाने में सहायता करता है। लकड़ी के फर्श और लेमिनेट पर लगे दागों को साफ करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस क्लीनर को बनाने के लिए एक लीटर बोतल में आधे से कम सिरका और पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब आप इसको फ्लोर क्लीनर के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू रस से बनाएं फ्लोर क्लीनर

बता दें कि फ्लोर क्लीनर बनाने के लिए आप किचन में रखे बेकिंग सोडा और नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। सबसे पहले एक कटोरी में बेकिंग सोडा और नींबू का रस अच्छे से मिक्स कर एक लीटर पानी में डालें। इससे आपका फ्लोर चमक जाएगा।

विविध



फैटी लिवर एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें लिवर में अतिरिक्त फैट जमा हो जाता है। यह अधिकतर मोटापा, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और खराब जीवनशैली से जुड़ा होता है, जो लिवर सिरोसिस, फेलियर और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। लेकिन सही समय पर ध्यान देकर और नैचुरल उपायों को अपनाकर इस समस्या को कंटरोल किया जा सकता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे हल्दी के नियमित सेवन से फैटी लिवर की समस्या को दूर किया जा सकता है और लिवर की सेहत में सुधार लाया जा सकता है।यहां हम आपको हल्दी के उपयोग से फैटी लिवर को ठीक करने के उपाय के बारे में बताएंगे, जिसे अपनाने से लिवर की सेहत में सुधार हो सकता है। साथ ही, इसे अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है।

फैटी लिवर क्या है?

फैटी लिवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर का 5: से अधिक हिस्सा फैट से भर जाता है। यह दो प्रकार के होते हैं—अल्कोहॉलिक फैटी लिवर अत्यधिक शराब के सेवन से होता है। नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर यह अधिकतर मोटापा, डायबिटीज और खराब जीवनशैली के कारण होता है।

फैटी लिवर का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह लिवर की गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

हल्दी कैसे है फायदेमंद?

हल्दी में कर्क्यूमिन नामक एक शक्तिशाली घटक पाया

अगर आप बालों की केयर करेंगे तो आपके हेयर्स काफी हेल्दी रहते है। अपने हेयर्स के टाइप के अनुसार ही तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। आजकल मार्केट में ऑर्गेनिक उत्पादों का चलन बढ़ गया है। ऑर्गेनिक शैंपू, कंडीशनर, सीरम आदि प्रोडक्ट की मांग काफी बढ़ गई है। लंबे और चमकदार बाल पाने के लिए ज्यादातर महिलाएं नेचुरल चीजों और हेयर प्रोडक्ट्स यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जो आपके हेयर ऑयल के लिए बेस्ट है।

अपना हेयर टाइप जानें

हेयर्स की देखभाल के लिए जरूरी है कि सही हेयर ऑयल चुना जाए। इसके लिए आपको अपने बालों के प्रकार के बारे में जानना काफी जरूरी है। सीधे, कर्ली या लहरदार बालों के लिए भी अलग-अलग तेल आने लगे हैं। दरअसल, सीधे बालों के लिए आर्गन और जोजोबा जैसे हल्के तेल अच्छे हैं। लेकिन घुंघराले और लहराते बालों के लिए नारियल, बादाम और अरंडी का तेल उपयोगी है।

बालों में कोई समस्या तो नहीं

ध्यान रखें कि तेल का चयन करते समय अपने बालों की समस्या के अनुसार ही खरीदें। अगर आपको बालों को बढ़ाना है तो आरंडी या हिबिस्कस ऑयल लगाएं। बालों के झड़ने पर पामेटो मिलाए गए तेल का प्रयोग करें।

पोषक तत्व का जरूर ध्यान रखें

जब आप हेयर ऑयल खरीदने जाते हैं तो आप उसके पोषक तत्वों को जरूर देखें। गौरतलब है कि प्राकृतिक और जैविक तेलों



पपीता एक ऐसा फल है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद कई प्रकार के विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट्स इसे एक सुपरफूड बनाते हैं। यह न केवल पाचन तंत्र को सुधारता है बल्कि वजन नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इसके अलावा, डायबिटीज, हृदय रोग, और कैंसर के मरीजों के लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है। हालांकि, पपीते का सेवन हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। कई ऐसे लोग हैं जिन्हें पपीता खाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन—से लोग हैं जो पपीता का सेवन न करें।

किडनी में पथरी से पीड़ित

अगर आपको किडनी में पथरी की समस्या है, तो आपको पपीता का सेवन नहीं करना चाहिए। पपीते में विटामिन सी की अधिकता होती है, जो एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य

जाता है, जो लिवर की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके एंटी—इंफ्लेमेटरी गुण लिवर की सूजन को कम करते हैं और इसे स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, जबकि इसके एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाकर विषाक्त पदार्थों की सफाई करते हैं। हल्दी लिवर को डिटॉक्सिफाई करने के साथ—साथ अतिरिक्त फैट को भी कम करती है, जिससे फैटी लिवर की समस्या में राहत मिलती है। इसके अलावा, हल्दी का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, वजन घटाने में सहायक होता है, और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर लिवर पर पड़ने वाले दबाव को भी कम करता है।

किस प्रकार की हल्दी का उपयोग करें?

रसोई में इस्तेमाल होने वाली हल्दी से कुछ लाभ मिलते हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं हो सकती, क्योंकि उसमें कर्क्यूमिन की मात्रा कम होती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लाकडोंग हल्दी का उपयोग अधिक फायदेमंद है, जो मेघालय के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है। इस हल्दी में कर्क्यूमिन की मात्रा सामान्य हल्दी से कई गुना अधिक होती है, जिससे यह फैटी लिवर की समस्या के उपचार में अधिक कारगर साबित होती है। अगर लाकडोंग हल्दी उपलब्ध न हो, तो आप सामान्य हल्दी का भी अधिक मात्रा में उपयोग कर सकते हैं, लेकिन डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

हल्दी का उपयोग कैसे करें?

1. हल्दी वाला दूध एक गिलास गर्म दूध में आधी चम्मच हल्दी मिलाकर रोज रात को सोने से पहले पिएं। यह लिवर की सफाई करने और फैट को कम करने में मदद करेगा।



में कोई कैमिकल नहीं होता लेकिन फिर आप इसे जरूर देखें। 2—3 हफ्तों तक तेल लगाएं जब आप तेल लगाते हैं तो इतनी जल्दी रिजल्ट नहीं मिलता।

लिवर डिटॉक्स के लिए एक चुटकी हल्दी है बेहद फायदेमंद!

2. हल्दी का काढ़ा पानी में लाकडोंग हल्दी, अदरक, शहद और काली मिर्च डालकर उबाल लें। इस काढ़े को रोजाना पीने से लिवर की सेहत में सुधार होगा।

3. खाने में हल्दी का इस्तेमाल रोज के भोजन में हल्दी को अधिक मात्रा में शामिल करें। हल्दी का सेवन न सिर्फ स्वाद को बढ़ाएगा बल्कि लिवर की सेहत के लिए भी लाभदायक होगा।

4. हल्दी और शहद का मिश्रण एक चम्मच हल्दी पाउडर में शहद मिलाकर खाली पेट लें। यह मिश्रण लिवर को स्वस्थ रखने और शरीर को डिटॉक्सिफाई करने में मददगार है।

5. हल्दी सप्लीमेंट्स अगर आपको हल्दी का स्वाद पसंद नहीं है या आप इसका अधिकतम लाभ उठाना चाहते हैं, तो आप डॉक्टर की सलाह से हल्दी सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं। बाजार में कर्क्यूमिन की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट्स उपलब्ध हैं।

इसके अलावा ध्यान रखने योग्य बातें

शराब और तली,भुनी चीजों से बचें
फैटी लिवर की समस्या को बढ़ाने में ये प्रमुख कारक होते हैं, इसलिए इनसे दूरी बनाना आवश्यक है ।नियमित व्यायाम करेंयोग, प्राणायाम और कार्डियो व्यायाम लिवर की सेहत में सुधार करने में मदद करते हैं। संतुलित आहार लें
हरी सब्जियाँ, फलों और फाइबर युक्त आहार को अपने भोजन में शामिल करें।हल्दी, विशेषकर लाकडोंग हल्दी, लिवर के लिए एक प्राकृतिक औषधि के रूप में काम कर सकती है। इसका नियमित सेवन लिवर को तंदुरुस्त रखने और फैटी लिवर जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक हो सकता है। लेकिन, हल्दी का सेवन शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। इस तरह के सरल उपायों से आप लिवर की सेहत को बेहतर बना सकते हैं और गंभीर बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

अपने बालों के अनुसार चुनें बेहतरीन हेयर ऑयल, जिससे बाल रहे घने और मजबूत

इसलिए कोई भी तेल को 2—3 हफ्तों में आजमाएं। अगर आपके बालों में कोआ असर दिखता है तो यानी वो तेल काम कर रहे है। यदि कोई असर न दिखें तो आप तेल को बदल सकते हैं।

पपीता सेहत के लिए लाभकारी, लेकिन इन लोगों के लिए खतरनाक

आपके लिए खतरनाक हो सकता है। रिसर्च से पता चला है कि पपीता में साइनोजेनिक ग्लाइकोसाइड होता है, जो पाचन तंत्र में हाइड्रोजन सायनाइड का उत्पादन कर सकता है। यह इरेगुलर हार्टबीट को और भी बढ़ा सकता है।

प्रेगनेंसी के दौरान

गर्भवती महिलाओं को पपीता खाने की सलाह नहीं दी जाती। इसमें लेटक्स होता है, जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप, बच्चा समय से पहले जन्म ले सकता है। पपीते में पैंपेन भी पाया जाता है, जिसे शरीर प्रोस्टाग्लैंडीन के रूप में पहचान सकता है, जिससे आर्टिफिशियली लेबर पेन शुरू हो सकता है। इससे भ्रूण को सपोर्ट करने वाली झिल्ली भी कमजोर हो सकती है।

एलर्जी वाले लोग

यदि आप किसी प्रकार की एलर्जी से पीड़ित हैं, तो पपीता खाने से बचें। पपीते में एक एंजाइम होता है जिसे चिटिनेज कहा जाता है। यह लेटेक्स के साथ क्रॉस रिएक्शन कर सकता है, जिससे आपको छींक, सांस लेने में कठिनाई, खांसी या आंखों में समस्या हो सकती है। इसलिए, ऐसे लोगों को पपीते का सेवन नहीं करना चाहिए। पपीता एक स्वास्थ्यवद् कि फल है, लेकिन इसके सेवन से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आप उपरोक्त श्रेणियों में न आते हों। किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें और अपने आहार में सावधानी बरतें।
याद रखें, जो चीजें स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं, वे कुछ खास परिस्थितियों में हानिकारक भी हो सकती हैं।

सक्षिप्त



सैटकॉम सेवाओं को गृह मंत्रालय की सुरक्षा मंजूरी मिलने पर ही हरी झंडी : सरकार

नयी दिल्ली। संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाओं से जुड़े सुरक्षा मुद्दों पर गृह मंत्रालय विचार कर रहा है और मंजूरी मिलने के बाद कंपनियों को सेवाएं शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। पेम्मासानी ने 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026' से इतर संवाददाताओं से कहा कि दूरसंचार विभाग ने सभी सैटकॉम कंपनियों को लाइसेंस देने के साथ अस्थायी स्पेक्ट्रम भी आवंटित कर दिया है। उन्होंने कहा, “अब सुरक्षा मंजूरी का मामला गृह मंत्रालय के पास लंबित है। मंजूरी मिलते ही उन्हें यह मिल जाएगी। इसका किसी एक कंपनी से कोई लेना-देना नहीं है।” उनका यह बयान अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के उस आरोप के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ ‘ओलिगार्क’ (अत्यधिक प्रभावशाली धनाढ्य कारोबारी) भारत में उनकी कंपनी स्टारलिनक की उपग्रह संचार सेवाओं को रोक रहे हैं ताकि अपना एकाधिकार बनाए रख सकें। मस्क ने मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा स्टारलिनक सेवाओं के इस्तेमाल के आरोपों को भी खारिज किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, “भारत के ऊपर स्टारलिनक की सिग्नल सेवाएं बंद हैं। इसलिए किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी कारण से इसके इस्तेमाल का दावा पूरी तरह गलत है।” भारतीय दूरसंचार कंपनियों भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने मस्क के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एयरटेल के संस्थापक सुनील भारती मितल ने कहा कि उनकी कंपनी भी मंजूरी का इंतजार कर रही है। वहीं, रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि उन्होंने मस्क की टिप्पणी नहीं देखी है और इसलिए इस पर कोई राय नहीं दे सकते। स्टारलिनक की उपाध्यक्ष (बिजनेस ऑपरेशंस) लॉरेन ड्रेयर ने एक दिन पहले ‘इंडिया मोबाइल कांग्रेस’ में कहा था कि कंपनी ने भारत में सेवा शुरू करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार कर लिया है।

एलन मस्क के आरोपों को केंद्र ने नकारा, स्टारलिनक समेत सभी सैटकॉम सेवाओं के लिए नियम एक समान

नयी दिल्ली। सरकार ने अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्टारलिनक की उपग्रह संचार सेवाओं को रोकें जाने के आरोप पर बृहस्पतिवार को कड़ी आपत्ति जतायी और स्पष्ट किया कि देश में हर उपग्रह संचार लाइसेंसधारक के लिए सुरक्षा मानकों का अनुपालन दिखाना अनिवार्य है। सरकार ने साथ ही कहा कि उपग्रह सेवाओं समेत सभी दूरसंचार सेवाओं के लिए निष्पक्ष और भेदभाव रहित व्यवस्था लागू है। दूरसंचार मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि यह कहना कि व्यवस्था या इसे लागू करने का तरीका अनुचित या भेदभावपूर्ण है, निराधार और गलत धारणा पर आधारित है। मस्क ने बुधवार को आरोप लगाया था कि “कुछ उद्योगपति” भारत में अपनी एकाधिकार स्थिति बनाए रखने के लिए उनकी कंपनी की उपग्रह संचार सेवाओं को रोक रहे हैं। दूरसंचार मंत्रालय ने कहा, “सोशल मीडिया पर भारत की उपग्रह संचार सेवाओं के लिए नियामकीय व्यवस्था की निष्पक्षता को लेकर एक ‘पोस्ट’ प्रसारित हो रही है और इसमें यह संकेत दिया गया है कि इसे भेदभावपूर्ण तरीके से लागू किया जा रहा है।” मंत्रालय ने कहा, “सरकार ने उपग्रह संचार सेवाओं समेत सभी दूरसंचार सेवाओं के लिए निष्पक्ष और भेदभाव रहित नियामकीय व्यवस्था लागू की है।” सरकार ने तीन उपग्रह संचार कंपनियों— मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिनक, जियो सैटकॉम और यूटेलसैट वनवेब को भारत में परिचालन शुरू करने के लिए लाइसेंस दिए हैं। हालांकि, सभी कंपनियों को सेवा शुरू करने से पहले स्पेक्ट्रम और सुरक्षा मंजूरी लेनी होगी। दूरसंचार मंत्रालय ने कहा कि लाइसेंस की शर्तों के तहत हर ऐसे लाइसेंसधारक को सुरक्षा संबंधी शर्तों के अनुपालन को प्रदर्शित करना जरूरी है। मंत्रालय ने कहा, “इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सेवाएं सभी उपयोगकर्ताओं और उनके आंकड़ों की रक्षा के लिए विभिन्न सुरक्षा जरूरतों को पूरा करती हों। इस प्रक्रिया के तहत तीनों लाइसेंसधारकों के संबंध में सुरक्षा आकलन फिलहाल जारी है।” मंत्रालय ने कहा कि जब किसी लाइसेंसधारक इकाई के लिए यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, तो वह स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए आवेदन करने के अगले चरण में जा सकती है।

अतिरिक्त औद्योगिक उत्पादन पर लगाम लगाने के लिए भारत और 13 देश एकजुट

वाशिंगटन। भारत समेत 14 देशों ने बाजार को प्रभावित करने वाले अत्यधिक औद्योगिक उत्पादन पर अंकुश लगाने के लिए समन्वित वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया है। इन देशों ने कहा कि अतिरिक्त उत्पादन से घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचता है और आपूर्ति तथा मांग के बीच असंतुलन पैदा होता है। इन देशों ने बुधवार को वाशिंगटन में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) की व्यापार समिति की बैठक से इतर हुई बैठक के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया। संयुक्त बयान में कहा गया, “हम सभी देशों से अपनी अर्थव्यवस्थाओं में संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और उत्पादन को खत्म करने के लिए कदम उठाने का आह्वान करते हैं। इसमें बाजार को प्रभावित करने वाली और इस समस्या को बढ़ाने वाली गैर—बाजार नीतियों एवं प्रक्रियाओं का इस्तेमाल समाप्त करना भी शामिल है।” अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने कहा कि मिलवॉकी में जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक में हुई चर्चा को आगे बढ़ाते हुए इन अर्थव्यवस्थाओं ने अमेरिका के साथ एक संयुक्त मंत्रिस्तरीय बयान पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत कई प्रमुख संबंधित क्षेत्रों में संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और उत्पादन की समीक्षा करने तथा उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए नए समर्पित क्षेत्रीय मंचों के जरिये मिलकर काम किया जाएगा। बयान पर अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, पोलैंड, तुर्किये, ब्रिटेन और अमेरिका के व्यापार मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए।

बीसीसीआई ने स्मृति मंधानाको बनाया भारतीय महिला टीम का नया कप्तान, नए उप-कप्तानों के नाम भी सामने आए

बीसीसीआई ने स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित टीमों में शैफाली वर्मा को टी20 और दीप्ति शर्मा को वनडे का उप-कप्तान बनाया गया है। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर भी दोनों टीमों में बतौर खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्मृति मंधाना को महिला टीम का नया कप्तान घोषित किया है। इस घोषणा के बाद, उन्होंने ने बीसीसीआई अधिकारियों, चयनकर्ताओं, टीम के साथियों और भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने में सालों तक योगदान देने वाली अपनी पूर्व कप्तान हरमनप्रीत का भी शुक्रिया अदा किया। बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में स्मृति ने कहा कि भारत की कप्तानी की जिम्मेदारी मिलना बहुत खास सम्मान है। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा से बहुत मायने रखता

है और अब टीम की कप्तानी करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत कीमती है। मैं ठळ्ळ, चयनकर्ताओं, अपनी टीम के साथियों और उन सभी लोगों की आभारी हूँ जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया और मुझ पर भरोसा जताया। उन्होंने आगे कहा कि मैं हरमनप्रीत और इतने सालों से कप्तान के तौर पर उनके योगदान की भी तारीफ़ करना चाहूँगी। उन्होंने बहुत लगन से टीम की कप्तानी की है और वे हमारी यात्रा का एक अहम हिस्सा रही हैं। मैं इस भूमिका के साथ आने वाली जिम्मेदारी को समझती हूँ और टीम के साथ काम करने, साथ-साथ सीखने और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने को लेकर उत्साहित हूँ।



भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली सीरीज़ के लिए T20I और ODI टीम का भी ऐलान कर दिया है। टीम की घोषणा के दौरान यह पता चला कि शैफाली वर्मा खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में स्मृति की उप-कप्तान होंगी, जबकि

है कि भारत भविष्य की ओर देख रहा है, जिसमें स्मृति मुख्य केंद्र में हैं। भारत की टी20 टीम: स्मृति मंधाना (कप्तान), शैफाली वर्मा (उप-कप्तान), निकी प्रसाद, हरमनप्रीत कौर, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी

कमलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नु मणि भारत की वनडे टीम: स्मृति मंधाना (कप्तान), शैफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर,

हरलीन देयोल, तेजल हसबिनस, दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), वैष्णवी शर्मा, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, रेणुका ठाकुर

धनंजय डी सिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी, बतौर खिलाड़ी खेलेंगे

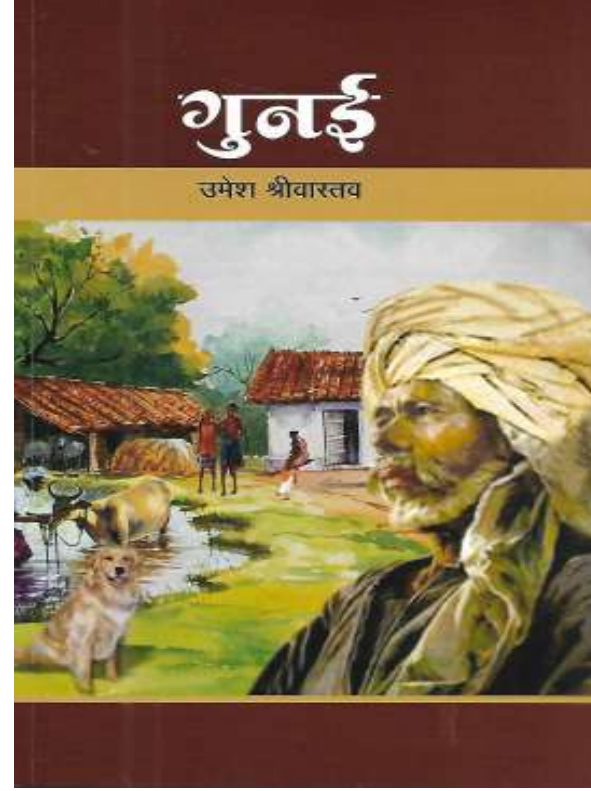
धनंजय डी सिल्वा ने 18 मैचों के बाद श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट



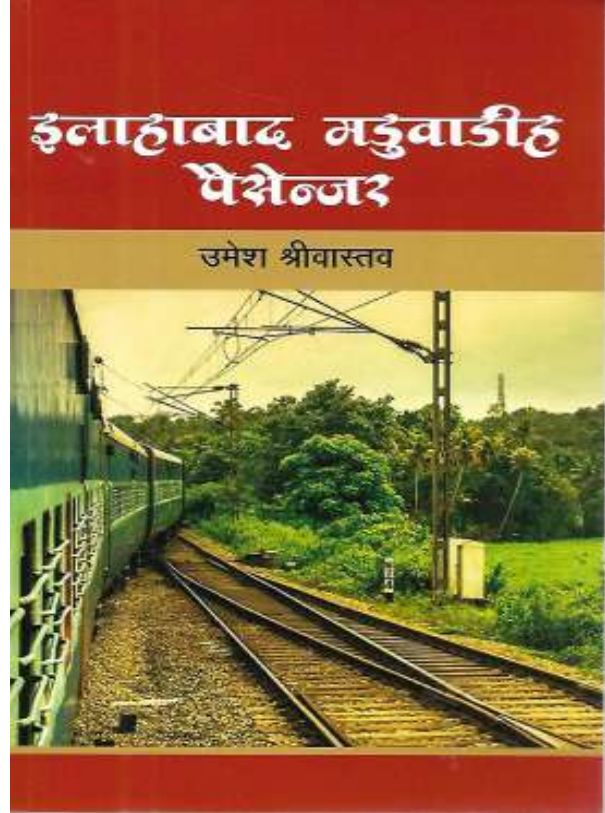
टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चयन समिति को पत्र लिखकर कहा कि कप्तानी की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को

मिलनी चाहिए, हालांकि वह बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। उनके कार्यकाल में श्रीलंका ने सात टेस्ट जीते, आठ हारे और तीन ड्रॉ रहे।

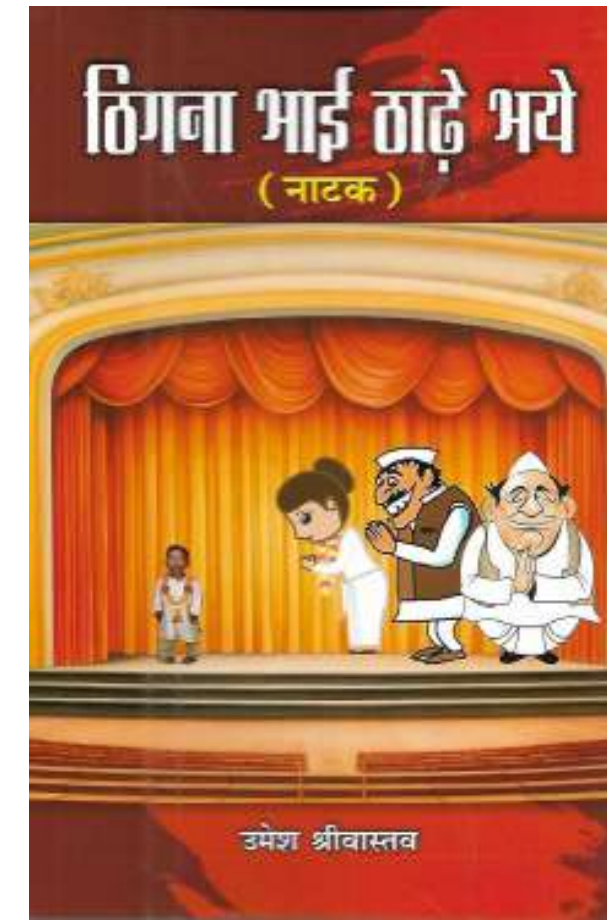
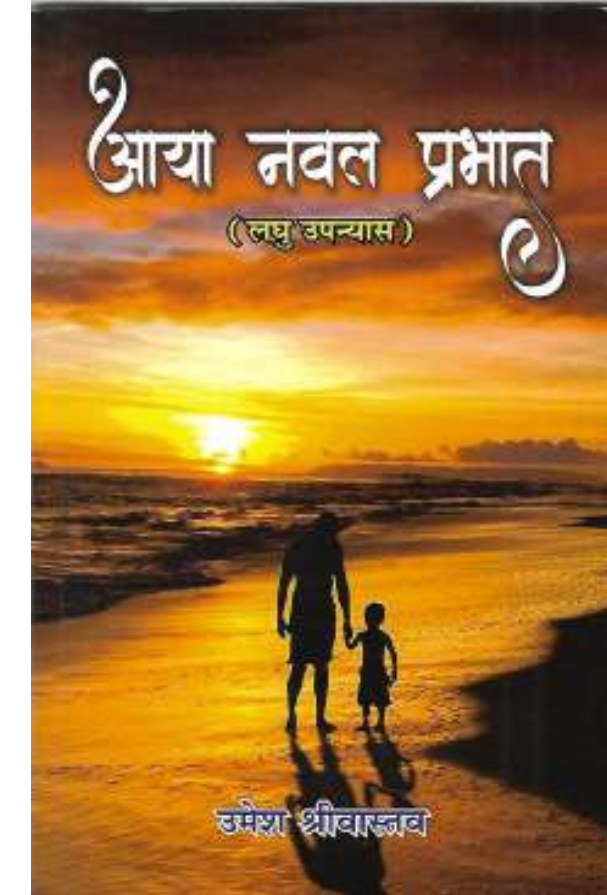
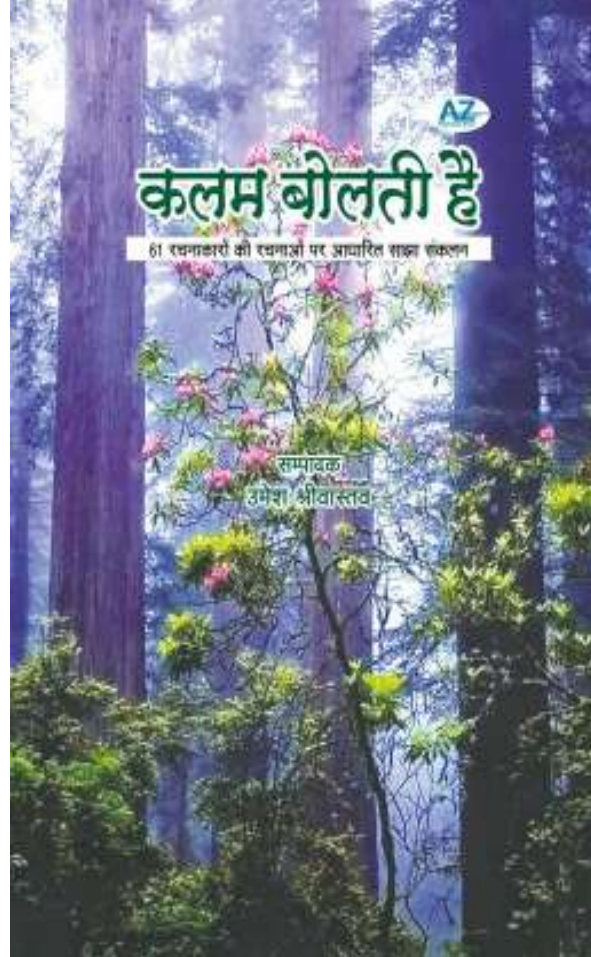
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) की वेबसाइट के अनुसार, धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पद से तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें जनवरी 2024 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। श्रीलंका की सिलेक्शन कमिटी को लिखे एक पत्र में, डी सिल्वा ने कहा कि उनका मानना ​​है कि लीडरशिप की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी सच्ची राय है कि यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह श्रीलंका के लिए एक खिलाड़ी के तौर पर



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पेशेनजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

सांक्षिप्त

अमेरिका में पाकिस्तानी को जेल: फर्जी अधिकारी बनकर बुजुर्ग से की थी ठगी

वॉशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक 52 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक को धोखाधड़ी की साजिश में शामिल होने के लिए 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस साजिश में आरोपी व्यक्ति ने खुद को फेडरल एजेंट बताकर एक बुजुर्ग से सोना और नकदी ले लिया था। जॉर्जिया के डेकाटुर के रहने वाले जावेद आशिक को वायर फ्रॉड (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से धोखाधड़ी) के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद 168 महीने (14 साल) की जेल और 886,799.84 डॉलर (8,57,99,214.72 भारतीय रुपए) का हर्जाना भरने का आदेश दिया गया। यह जानकारी बुधवार को जॉर्जिया के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अर्टॅर्नी कार्यालय ने दी। अमेरिकी जिला न्यायाधीश डडली एच. बोवेन ने आशिक की जेल की सजा पूरी होने के बाद तीन साल की निगरानी वाली रिहाई का आदेश भी दिया।
संघीय अभियोजकों ने कहा कि सजा पूरी होने के बाद आशिक को देश से वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। संघीय जेल प्रणाली में पैरोल का प्राक्धान नहीं है। अदालती दस्तावेजों और गवाही के अनुसार, आशिक ने जुलाई और अगस्त 2024 के बीच एक आपराधिक साजिश के लिए क्रूरियर के तौर पर काम किया। उसने एक बुजुर्ग पीड़ित से सोने की ईंटें और नकदी इकट्ठा की और उन्हें ऑपरेशन से जुड़े अन्य सदस्यों तक पहुंचाया। साजिशकर्ताओं ने पीड़ित को यकीन दिलाया कि उनकी पहचान चोरी हो गई है और उसका इस्तेमाल धोखाधड़ी वाली गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। धोखे को सच जैसा दिखाने के लिए, समूह के सदस्यों ने खुद को फेडरल ट्रेड कमीशन (उपभोक्ता संरक्षण के लिए जिम्मेदार अमेरिकी सरकारी एजेंसी) के संघीय एजेंट के तौर पर पेश किया। उन्होंने पीड़ित को क्रिप्टोकॉरेंसी और सोना खरीदने के लिए राजी किया और दावा किया कि पीड़ित की संपत्ति की सुरक्षा के लिए ये लेनदेन जरूरी हैं। खरीदारी पूरी होने के बाद, आशिक ने संपत्ति इकट्ठा की और उसे अपने साथियों (सह–साजिशकर्ताओं) को सौंप दिया, जिससे पीड़ित के पास न तो पैसे बचे और न ही कीमती सामान। अभियोजकों ने कहा कि इस योजना में पीड़ित के पहचान चोरी होने के डर और संघीय अधिकारियों पर उनके भरोसे का फायदा उठाया गया।

नेपाल में फिर कांपी धरती: पश्चिमी क्षेत्र में आया 4.1 तीव्रता का भूकंप, कई जिलों में महसूस किए गए झटके
नेपाल के पश्चिमी हिस्से में बुधवार रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके बजुरा के साथ आसपास के कई जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक कहीं से किसी तरह के जान–माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।
राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के मुताबिक, भूकंप बुधवार रात स्थानीय समयानुसार 9रू37 बजे आया। भूकंप का केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बजुरा जिले की बुधीगंगा नगरपालिका–1० में जमीन के भीतर था। यह जगह राजधानी काठमांडू से करीब 750 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। भूकंप के झटके बजुरा के अलावा पड़ोसी बाजहांग, कालिकोट और अछाम जिलों में भी महसूस किए गए।
अचानक धरती हिलने से इन इलाकों में लोगों को भूकंप का अहसास हुआ, हालांकि फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल में सालभर छोटे–बड़े भूकंप आते रहते हैं। हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने की वजह से यह देश दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय इलाकों में शामिल है। नेपाल का बड़ा हिस्सा भूकंपीय क्षेत्र ट्ट और ट में आता है, जिसके चलते यहां भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है।

होर्मुज पर किसका कब्जा ?: ईरान के दावे को अमेरिका ने बताया झूठा, सेंटकॉम बोला– हमारे नियंत्रण में है क्षेत्र

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि होमुज जलडमरूमध्य बंद कर दिया गया है। सेंटकॉम का कहना है कि दुनिया के इस बेहद अहम समुद्री रास्ते से अभी भी व्यापारिक और ऊर्जा से जुड़ा यातायात जारी है और करीब 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल इसके रास्ते से गुजर रहा है। सेंटकॉम ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक जनरल ने मीडिया में दावा किया है कि 'होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है' और ईरान का इस पर 'पूरा नियंत्रण' है। अमेरिकी कमांड ने इसे सीधे तौर पर गलत बताया। सेंटकॉम के मुताबिक, हकीकत यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से इस समय भी जहाज गुजर रहे हैं और इनमें व्यापारिक सामान के साथ ऊर्जा की खेप भी शामिल है। अमेरिकी कमांड ने दावा किया कि करीब 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल भी इस जलमार्ग से गुजर रहा है। साथ ही उसने कहा कि अमेरिका और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों का इस जलमार्ग पर स्पष्ट नियंत्रण है। यह अमेरिकी बयान ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर के सलाहकार मोहम्मदरेजा नकदी के बयान के बाद आया। नकदी ने बुधवार को अर्ध–सरकारी समाचार एजेंसी फर्स के साथ बातचीत में एक बार फिर तेहरान का रुख दोहराया। नकदी ने कहा कि जिन समुद्री रास्तों से होने वाले आवागमन को ईरान गैरकानूनी मानता है, उन्हें जल्द ही बंद कर दिया जाएगा। यानी ईरान की ओर से होर्मुज को लेकर सख्त रुख बरकरार है। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान ने युद्ध को सभी मोर्चों पर खत्म करने और खाड़ी क्षेत्र तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा बहाल करने के लिए अपनी शर्तें 'स्पष्ट और मजबूती से' सामने रख दी हैं। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, बघाई ने कहा कि अमेरिका की ओर से आए प्रस्तावों का जवाब भी ईरान मध्यस्थों के जरिए देगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/ शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के दोहरे रवैये को संयुक्त राष्ट्र में उजागर करते हुए जैश—ए—मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा करके आतंकवाद को दिए जा रहे सरकारी समर्थन को छिपाने के इस्लामाबाद के प्रयासों की आलोचना की और कहा कि दुनिया 9/11, 26/11 और पहलगाम हमलों को नहीं भूली है। भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति में “अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय” विषय पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान पर जवाब देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा, “पाकिस्तान आतंकवाद से निपटने की बात करता है, जबकि वह उस सवाल को छिपाने की कोशिश कर रहा है जिसका सामना इस समिति को करना चाहिए रू जब आतंकवादियों को किसी देश की जमीन से वित्तपोषण, मदद, प्रशिक्षण, पनाह या समर्थन दिया जाता है तो क्या होता है?”

‘‘बिल्कुल मंजूर नहीं’’: भारत ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर हुए हमलों की निंदा की

भारत ने गुरुवार को रियाद में आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों की निंदा की। इन हमलों में आम नागरिकों की मौत हुई और वे घायल हुए। भारत ने आम नागरिकों के इस्तेमाल वाली जगहों को निशाना बनाने को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत रियाद में आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों की निंदा करता है, जिनमें आम नागरिकों की मौत हुई और वे घायल हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आम नागरिकों के इस्तेमाल वाली जगहों को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारत ने उन लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। बयान में कहा गया, ष्चम उन लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने

यूएन महासभा में रघु पुरी ने पाकिस्तान को घेरा, आतंकियों को पनाह देने पर लगाई फटकार

भारत ने एक बार फिर आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को निशाने पर लिया है। भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि दुनिया 2008 के मुंबई आतंकी हमलों और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को भूली नहीं है। साथ ही, यह भी दोहराया है कि आतंकवाद को उसके फाइनेंसों और प्रायोजकों



के खिलाफ कार्रवाई किए बिना नहीं हराया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के सदस्य रघु पुरी ने ये बातें कहीं। उन्होंने न्च महासभा की छठी समिति में शंतराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपायश् एजेंडा आइटम पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान के जवाब में दिल्ली का श्जवाब देने का अधिकारश् इस्तेमाल करते हुए ये टिप्पणियां कीं। पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ने खुद को पीड़ित के तौर पर पेश किया है, लेकिन उसने ऐसे श्शकंस्टीनश् पैदा किए हैं, जिन पर से उसका नियंत्रण खत्म हो गया है और जो अब पड़ोसी देशों में तबाही मचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह भी याद है कि कुछ महीने पहले ही पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने इसी मंच का इस्तेमाल करके जैश—ए—मोहम्मद को एक खत्म हो चुका संगठन बताया था। दुनिया पहले भी यह नाटक देख चुकी है और हमें साफ पता है



उन्होंने कहा कि भारत इस मुद्दे पर लगातार अपना रुख स्पष्ट करता रहा है और इस बात पर जोर देता रहा है कि आतंकवाद को केवल घोषणाओं के जरिए नहीं हराया जा सकता बल्कि इसके लिए अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। पुरी ने कहा, “वर्षों से पाकिस्तान खुद को आतंकवाद से लड़ने वाले एक अहम देश और पीड़ित के तौर पर पेश करता रहा है, जबकि वह इस बात को छिपाता रहा है कि पाकिस्तानी सरकार ने जिन भस्मासुरों को पैदा किया और जिन पर से अपना नियंत्रण खो

दिया, वे अब पड़ोसी देशों में तबाही मचाने के बाद पाकिस्तान में भी वही सब कर रहे हैं।” आतंकवाद पर पाकिस्तान के दोहरे रवैये की आलोचना करते हुए पुरी ने कहा कि वह देश “संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतं कवादी और जैश—ए—मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर, जो मेरे देश पर हुए कई हमलों का मास्टरमाइंड भी है, को पकड़ने के लिए ज़्यादा इनाम की घोषणा करके आतंकवाद को मिल रहे सरकारी समर्थन पर पर्दा डालने की कोशिश करता है।” उन्होंने कहा कि दुनिया पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को दी जाने वाली

वित्तीय मदद से अवगत है। उन्होंने कहा, “ हमें याद है कि कुछ महीने पहले ही पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने इसी मंच पर जैश—ए—मोहम्मद को एक निष्क्रिय संगठन बताया था। दुनिया पहले भी यह पटकथा देख चुकी है और हम स्पष्ट रूप से जानते हैं कि इस बार भी कुछ अलग नहीं होगा।” पुरी ने कहा कि जब मीडिया अजहर तक पहुंच सकता है और उससे ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की सफलता के बारे में पुष्टि हासिल कर सकता है तो ‘निश्चित तौर पर पाकिस्तानी सरकार को उसके ठिकाने की जानकारी होगी।” भारत ने जम्मू—कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई 2026 में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया था। भारत ने इस महीने की शुरुआत में अजहर पर 70 लाख रुपये के इनाम की पाकिस्तान की नयी घोषणा को “दिखावा” बताते हुए खारिज कर दिया था और

इस्लामाबाद से आतंकवाद से निपटने के लिए “ठोस कार्रवाई” करने की मांग की थी। भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर अजहर को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है, जबकि पाकिस्तान का कहना है कि अजहर अफगानिस्तान भाग गया है। वहीं, अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने इस दावे को खारिज किया है। पिछले कुछ वर्षों से इस्लामाबाद का दावा रहा है कि जैश—ए—मोहम्मद का संस्थापक अफगानिस्तान से गतिविधियां संचालित कर रहा है। हालांकि, तालिबान शासन ने पाकिस्तान के बार—बार किए गए इन दावों को खारिज कर दिया और अफगान विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अजहर उनके देश में नहीं है। अजहर के बारे में जानकारी देने के लिए इनाम की इस्लामाबाद की नयी घोषणा ऐसे समय में की गई है जब उस पर वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की ओर से आतंकवादी संगठनों और उनके नेतृत्व के खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव है। पेरिस स्थित

भारत–कज़ाकिस्तान के बीच अहम बैठक, भविष्योन्मुखी साझेदारी मजबूत करने पर जोर

भारत और कज़ाकिस्तान ने अपने आपसी संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की और अपनी साझेदारी को ठोस नतीजों में बदलने के लिए और भी करीब से मिलकर काम करने का वादा दोहराया। यह बातचीत कज़ाकिस्तान में भारत के राजदूत वार्डके सैलास थंगल और कज़ाकिस्तान के उप–विदेश मंत्री अरमान इस्सागालिव के बीच हुई बैठक के दौरान हुई। कज़ाकिस्तान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया राजदूत वार्डके सैलास थंगल की कज़ाकिस्तान



के नए नियुक्त उप–विदेश मंत्री के साथ एक अच्छी और सार्थक बैठक हुई। दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और भारत–कज़ाकिस्तान की मजबूत साझेदारी को ठोस नतीजों में बदलने के लिए और भी करीब से मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें आगे कहा गया, उन्होंने नए मौकों का फायदा उठाने, आपसी समझ को गहरा करने और भारत–कज़ाकिस्तान के बीच भविष्योन्मुखी साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इससे पहले, पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कज़ाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम–जोमार्ट टोकायेव नई दिल्ली में 1८वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे, जहाँ उन्होंने रणनीतिक द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा करने के अपने संकल्प को दोहराया। विदेश मंत्रालय (डफ़।) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कज़ाकिस्तान के साथ भारत के गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया और साथ ही हाल के वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में लगातार हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की, जिनमें राजनीति, व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकियां, रचनात्मक अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं।

शहर समता
 स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।